आषाढ़ शुक्ल पक्ष -12, 2083 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-10, अंक - 21 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
26 जुलाई 2026 रविवार

आज का मौसम
28.6 अधिकतम
23.4 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफ़ा, सब कुछ लुटा के होश में आए तो क्या किया...

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने आखिरकार अपने पद से इस्तीफा दे दिया। लेकिन इस फैसले ने जितने सवाल खत्म नहीं किए, उससे कहीं अधिक नए सवाल खड़े कर दिए हैं। विपक्ष और आंदोलन का नेतृत्व कर रहे छात्र संगठन इसे अपनी जीत बता रहे हैं तो दूसरी ओर भाजपा के भीतर भी यह चर्चा है कि यदि यह निर्णय समय रहते लिया जाता, तो शायद सरकार को इतनी राजनीतिक और नैतिक क्षति नहीं उठानी पड़ती।

त्वरित टिप्पणी
राजेश सिरोठिया

प्रधान ने इस्तीफे के बाद कहा कि उन्होंने छात्रों की आकांक्षाओं और अपनी अंतरात्मा की आवाज़ पर पद छोड़ा। लेकिन यही तर्क सबसे बड़ा प्रश्न बनकर सामने खड़ा है। यदि छात्रों की पीड़ा ही उनकी चिंता का कारण थी, तो यह संवेदनशीलता दस दिन पहले क्यों नहीं जागी? जब नीट परीक्षा की विश्वसनीयता पर सवाल उठे, लाखों छात्र और उनके परिवार असमंजस में थे, तब शिक्षा मंत्रालय की सक्रियता कहाँ थी? जब दोबारा परीक्षा कराने जैसी असाधारण स्थिति बनी, तब मंत्री और मंत्रालय संकट प्रबंधन में क्यों विफल रहे?

यूजीसी के विवादित विनियमों ने भी देशभर में तीखी बहस छेड़ी थी। आरोप लगे कि इन प्रावधानों से आरक्षित और सामान्य वर्ग के छात्रों के बीच अनावश्यक तनाव की स्थिति बनी। अंततः सर्वोच्च न्यायालय को हस्तक्षेप कर इन विनियमों पर रोक लगानी पड़ी। यदि इतने गंभीर संवैधानिक और सामाजिक प्रश्न उठ रहे थे, तो शिक्षा मंत्रालय, यूजीसी और उसके शीर्ष अधिकारियों ने समय रहते पुनर्विचार या आवश्यक संशोधन की पहल क्यों नहीं की? देश में अनुसूचित जाति एवं जनजाति अत्याचार निवारण कानून पहले से प्रभावी है। ऐसे में यह प्रश्न भी स्वाभाविक है कि क्या नए प्रावधान वास्तव में आवश्यक थे, या उनकी कानूनी और सामाजिक समीक्षा पर्याप्त गंभीरता से नहीं की गई? यदि इन आशंकाओं पर पहले ही विचार किया जाता, तो क्या आज की स्थिति टाली नहीं जा सकती थी? एनसीईआरटी की पुस्तकों में विवादित सामग्री को लेकर भी सरकार को आलोचना झेलनी पड़ी। प्रश्न केवल त्रुटि का नहीं, बल्कि जवाबदेही का है। यदि सामग्री चयन या संपादन में गंभीर चूक हुई, तो उसके लिए उत्तरदायी लोगों की पहचान और उनके विरुद्ध कार्रवाई में इतनी देरी क्यों हुई? शिक्षा मंत्रालय पूरे घटनाक्रम के दौरान निर्णायक नेतृत्व क्यों नहीं दिखा सका?

यह पहला अवसर नहीं है जब किसी बड़े जनविवाद को शांत करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को स्वयं हस्तक्षेप करना पड़ा हो। किसान आंदोलन हो, नीट विवाद हो या शिक्षा क्षेत्र से जुड़े अन्य संवेदनशील मुद्दे–अंततः संकट का राजनीतिक समाधान प्रधानमंत्री को ही तलाशना पड़ा। यह स्थिति स्वयं इस बात का संकेत है कि संबंधित मंत्रालय समय रहते स्थिति को संभालने में सफल नहीं रहा। धर्मेंद्र प्रधान के राजनीतिक जीवन में ऐसे प्रसंग पहले भी सामने आ चुके हैं। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के दौरान घरेलू गैस सिलेंडर की कीमतों में वृद्धि विपक्ष का बड़ा चुनावी मुद्दा बन गई थी। ममता बनर्जी ने इसे जनता के बीच प्रभावी ढंग से उठाया और भाजपा को अपेक्षित राजनीतिक सफलता नहीं मिल सकी। राजनीति में कई बार निर्णय से अधिक उसका समय महत्वपूर्ण होता है, और यही कसौटी मंत्री की राजनीतिक समझ को परखती है।

पूरे घटनाक्रम से जो निष्कर्ष निकलता है, वह केवल एक व्यक्ति तक सीमित नहीं है। धर्मेंद्र प्रधान संगठन के सक्षम नेता हो सकते हैं, लेकिन एक मंत्री के रूप में जनभावनाओं की समय रहते पहचान करना, संकट की आहट को समझना और अपने मंत्रालय पर प्रभावी प्रशासनिक नियंत्रण बनाए रखना उनकी सबसे बड़ी चुनौती साबित हुई। अंततः उनका इस्तीफा इसी राजनीतिक और प्रशासनिक विफलता की स्वीकारोक्ति के रूप में देखा जाएगा।

इस्तीफा संकट का अंत नहीं, जवाबदेही की शुरुआत...

अब परीक्षा केवल नए शिक्षा मंत्री की नहीं, बल्कि पूरी मोदी सरकार की है। क्या मंत्री बदलने भर से शिक्षा व्यवस्था में पैदा हुआ अविश्वास समाप्त हो जाएगा? क्या आंदोलन यहीं थम जाएगा, या नई मांगों के साथ आगे बढ़ेगा? और सबसे बड़ा प्रश्न–क्या सरकार अब रक्षात्मक राजनीति से बाहर निकलकर शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता, जवाबदेही और जनविश्वास बहाल करने के लिए ठोस कदम उठाएगी? राजनीति में इस्तीफे संकट का अंत नहीं होते, बल्कि जवाबदेही की शुरुआत होते हैं। यदि इस पूरे विवाद से सरकार ने समय रहते सबक नहीं लिया, तो इतिहास शायद यही कहेगा– 'सब कुछ लुटा के होश में आए तो क्या किया।'

जंतर-मंतर आंदोलन... बदल गया विरोध और आवाज बुलंद करने का तरीका

'मेश मैसेजिंग' तकनीक के साथ सोशल मीडिया पर मीम्स साबित हुए गेम चेंजर

नई दिल्ली, एजेंसी

जंतर-मंतर पर हाल में समाप्त हुए सीजेपी आंदोलन ने यह साफ़ कर दिया है कि भारत में विरोध-प्रदर्शनों का स्वरूप तेजी से बदल रहा है। पारंपरिक धरना, नारेबाजी और रैलियों के साथ अब डिजिटल माध्यम भी आंदोलन की रणनीति का अहम हिस्सा बनते जा रहे हैं। वायरल होने वाले मीम्स, व्यंग्यात्मक वीडियो और मेश मैसेजिंग नेटवर्क जैसी तकनीकों के इस्तेमाल ने इस आंदोलन को देशभर में चर्चा का विषय बना दिया।

जानकारों के अनुसार इस आंदोलन में युवाओं के समूहों ने इंटरनेट या मोबाइल नेटवर्क बंद होने की स्थिति में भी आपस में संपर्क बनाए रखने के लिए 'मेश मैसेजिंग नेटवर्क' जैसी तकनीकों का उपयोग किया। यह तकनीक पहले हांगकांग और ईरान के आंदोलनों में भी चर्चा में रही है। इसमें मोबाइल फोन सीधे एक-दूसरे से जुड़कर सीमित दायरे में संदेश भेज सकते हैं, जिससे सामान्य संचार व्यवस्था प्रभावित होने पर भी संपर्क बनाए रखना संभव होता है। इसमें हर डिवाइस एक छोटे ट्रांसमीटर की तरह काम करता है और संदेश अगले डिवाइस तक पहुंचाता है। यदि सामान्य मोबाइल नेटवर्क या इंटरनेट सेवा बाधित हो जाए, तब भी सीमित क्षेत्र में यह व्यवस्था संचार बनाए रखने में मदद कर सकती है। दुनिया के कई देशों में बड़े प्रदर्शनों, प्राकृतिक आपदाओं और आपात स्थितियों के दौरान इस तकनीक का उपयोग देखा गया है।

आंदोलन की दूसरी बड़ी विशेषता सोशल मीडिया पर मीम्स की बाढ़ रही। आंदोलन के समर्थन में बड़ी संख्या में युवाओं ने व्यंग्यात्मक तस्वीरें, छोटे वीडियो और हास्य आधारित पोस्ट साझा किए। इनका उद्देश्य आंदोलन से जुड़े मुद्दों को सरल भाषा में अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाना था। कुछ ही दिनों में यह सामग्री विभिन्न सोशल मीडिया मंचों पर व्यापक रूप से प्रसारित होने लगी। देश के अलग-अलग हिस्सों के छात्र भी इससे जुड़ते दिखाई दिए। विश्लेषकों का मानना है कि आज का युवा वर्ग लंबी राजनीतिक बहसों की बजाय छोटे, दृश्यात्मक और आसानी से साझा किए जा सकने वाले संदेशों से अधिक जुड़ता है। मीम्स अब केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं रह गए हैं, बल्कि सामाजिक और राजनीतिक संचार का भी प्रभावी साधन बनते जा रहे हैं। किसी जटिल विषय को कुछ सेकंड में लाखों लोगों तक पहुंचाने की क्षमता इन्हें प्रभावशाली बनाती है।

गुरु गुड़ रह गए, और चेला...

राजनीति भी गजब की चीज है। कल तक जो कार्यकर्ता अरविंद केजरीवाल की आम आदमी पार्टी की आईटी सेल में रणनीति बना रहा था, आज अपनी अलग पार्टी बनाकर सत्ता से सीधे संवाद की स्थिति में पहुंच गया जबकि केजरीवाल आज अपनी राजनीतिक जमीन बचाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। दिपके की 'कॉकरोच पार्टी' ने जिस तेजी से अपनी मांगें मनवाई, उसने राजनीतिक गलियारों में नई चर्चा छेड़ दी है। अब लोग कह रहे हैं कि शिष्य ने गुरु को भी पीछे छोड़ दिया। कहावत भी याद आ रही है– 'गुरु गुड़ रह गए, चेला शक्कर बन गया।' फर्क बस इतना है कि यहां शक्कर बनने का पैमाना चुनावी जीत नहीं, बल्कि सरकार को बातचीत की मेज तक लाने की क्षमता माना जा रहा है। राजनीति में कब कौन किसका शिक्षक और कौन किसका विद्यार्थी साबित हो जाए, यह कहना मुश्किल है। एक बात तय राजनीतिक सफलता का पैमाना सिर्फ सीटें नहीं, बल्कि अपनी बात मनवाने की ताकत भी बनता जा रहा है।

अरब स्प्रिंग आंदोलन के मुख्य हथियार...

वर्ष 2010-11 के अरब स्प्रिंग आंदोलन में सोशल मीडिया, व्यंग्यात्मक चित्रों और वायरल सामग्री ने विरोध की आवाज को व्यापक बनाया। मिस्र के तहरीर चौक आंदोलन में ऑनलाइन हास्य और व्यंग्य राजनीतिक संदेश का माध्यम बने। हांगकांग के लोकतंत्र समर्थक आंदोलनों में इंटरनेट आधारित संचार और प्रतीकात्मक मीम्स का व्यापक उपयोग हुआ। अमेरिका में जॉर्ज फ्लॉयड की मौत के बाद हुए प्रदर्शनों तथा ईरान में महसा अमीनी की मृत्यु के बाद शुरू हुए विरोध प्रदर्शनों में भी सोशल मीडिया अभियानों ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जनमत तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। डिजिटल युग में मीम्स व्यंग्य, हास्य और प्रतीकात्मक चित्रों के माध्यम से किसी जटिल राजनीतिक या सामाजिक मुद्दे को कुछ ही सेकंड में बड़ी संख्या में लोगों तक पहुंचा देते हैं। युवाओं में इनकी लोकप्रियता अधिक होने के कारण संदेश तेजी से वायरल होता है।

न्यूज विंडो

नोएडा: एसटीपी टैंक की जहरीली गैस से दम घुटने से दो की मौत

नोएडा। ग्रेटर नोएडा में नॉलेज पार्क कोतवाली क्षेत्र की एल्डिको सोसायटी सेक्टर-150 में रात एसटीपी टैंक की सफाई के दौरान जहरीली गैस से दो लोगों की मौत हो गई। राजस्थान के करौली निवासी सफाईकर्मी शशिकांत शर्मा (40 वर्ष) टैंक में सफाई करते समय बेहोश हो गए। उन्हें बचाने के लिए सोसायटी के सिक्योरिटी गार्ड आकाश निवासी इटहारी, फिरोजाबाद भी टैंक में उतरे, लेकिन वह भी बेहोश हो गए। दोनों को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

सीरिया में हाईवे पर बसों की भीषण टक्कर में 35 लोगों की मौत

दमिश्क। सीरिया में हाईवे पर बसों की टक्कर में कम से कम 35 लोगों की मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक मध्य सीरिया में हुई इस दुर्घटना में कई अन्य घायल हो गए। यह घटना पलमीरा और अल-सुखना शहरों के बीच एक हाईवे पर हुई। एपी की एक रिपोर्ट के अनुसार, यह हाईवे दमिश्क-दीर एज़-ज़ोर हाईवे था। कतर स्थित मीडिया प्लेटफॉर्म ने बताया कि जिस हाईवे पर यह दुर्घटना हुई। लोगों को सुरक्षित बाहर निकालने का काम चल रहा है।

आज का कार्टून

रक्षामंत्री ने लद्दाख में कारगिल शहीदों को दी श्रद्धांजलि

पाकिस्तान से बात सिर्फ पीओके पर होगी: राजनाथ

नई दिल्ली। कारगिल विजय दिवस की 27वीं वर्षगांठ पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत इनोवेशन के रास्ते खोज रहा है तो पाकिस्तान घुसपैठ के रास्ते खोज रहा है। भारत शिप डिजाइन कर रहा है तो पाकिस्तान टेरर डिजाइन में लगा हुआ है। भारत स्टार्टअप इकोसिस्टम खड़ा कर रहा है तो पाकिस्तान टेरर इकोसिस्टम खड़ा कर रहा है। भारत सेमीकंडक्टर बना रहा है तो पाकिस्तान सुसाइड बॉम्बर्स तैयार कर रहा है।

साफ है कि हमारे रास्ते अलग-अलग हैं। ऐसे में पाकिस्तान अपने घटिया मंसूबे लेकर हमारी समृद्धि के रास्ते में रोड़े खड़े करता है तो उसे करारा जवाब देने के लिए हमारी सेनाएं तैयार बैठी हैं। इससे पहले रक्षा मंत्री ने लद्दाख के द्रास स्थित कारगिल वॉर मेमोरियल में शहीदों को श्रद्धांजलि दी।

राजनीति सिंह ने कहा- भारत की मंशा पूरी तरह स्पष्ट है। पाकिस्तान से कोई बातचीत नहीं होगी। अगर बातचीत होगी भी, तो सिर्फ पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (PoK) पर होगी, जो भारत का अभिन्न हिस्सा है और जिस पर पाकिस्तान ने अवैध कब्जा कर रखा है। कारगिल वॉर मेमोरियल में पूरा भारत दिखाई देता है। यहां शहीदों में हिमाचल प्रदेश, नगालैंड, मेघालय, तमिलनाडु समेत देश के हर हिस्से के जवानों के नाम दर्ज हैं।

शहीदों में मंदिर, मस्जिद, गुरुद्वारा और चर्च जाने वाले सभी धर्मों के लोग शामिल हैं। जो लोग देश को बांटने का सपना देखते हैं, उन्हें इस स्मारक की दीवार को देखना चाहिए। यह दीवार ही भारत को बांटने की उनकी सोच का सबसे बड़ा जवाब है।

असम में बाढ़ से 66 की मौत, हिमाचल में 134 सड़कें बंद

दिसपुर/देहरादून। असम में बाढ़ के हालात अब भी गंभीर हैं। अब तक 66 की मौत हो चुकी है। 7 लाख से ज्यादा लोग अब भी बाढ़ से प्रभावित हैं। हिमाचल प्रदेश में लगातार हो रही भारी बारिश, भूस्खलन और अचानक आई बाढ़ से 134 सड़कें बंद हैं। 4 जिलों में बारिश का ऑरेंज अलर्ट है। वहीं, बिहार के 17 जिलों में यलो अलर्ट है। इन जिलों में 40-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चल सकती है।

मौसम विभाग का कहना है कि बंगाल की खाड़ी से बने लो प्रेशर और वेस्टर्न डिस्टरबेंस के असर से गुजरात, बंगाल, ओडिशा, महाराष्ट्र और पूर्वोत्तर के राज्यों में भारी बारिश हो रही है। लेकिन यह बारिश अब भी सामान्य से 16.1% कम है। उत्तर भारत में 31 जुलाई तक बारिश का दौर जारी रहेगा। हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख और उत्तराखंड में तेज बारिश की संभावना है।

चंपत राय ने शुरू की 4 महीने की 'चातुर्मास साधना'

अयोध्या। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के पूर्व महासचिव चंपत राय ने अयोध्या स्थित तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट भवन में चार माह की चातुर्मास साधना शुरू कर दी है। चढ़ावा चोरी प्रकरण में इस्तीफे के बाद एसआईटी और पुलिस जांच के बीच, उन्होंने आध्यात्मिक अनुशासन के तहत 21 नवंबर तक अयोध्या में ही रहकर राम मंत्र जप और रामचरितमानस पाठ करने का फैसला किया है। वह रोज छह घंटे मौन रहकर साधना कर रहे हैं।

सेना को कार्रवाई रोकने का आदेश

ईरान पर सबसे बड़े हमले से फिलहाल पीछे हटे ट्रम्प

वॉशिंगटन डीसी/तेहरान, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान पर सबसे बड़े हमले को फिलहाल रोक दिया है। द न्यूयॉर्क टाइम्स और एक्सियोस की रिपोर्ट के मुताबिक शीर्ष सलाहकारों और कैबिनेट सदस्यों के साथ बैठक के बाद ट्रम्प ने सेना को नए बड़े हमले रोकने का आदेश दिया।

रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी सैन्य अधिकारियों ने चेतावनी दी थी कि अगर अभियान और बढ़ाया गया तो मिडिल-ईस्ट में तैनात अमेरिकी सेना के पास पैट्रियट इंटरसेप्टर मिसाइलों और अन्य एयर डिफेंस हथियारों का भंडार गंभीर रूप से कम हो सकता है। जॉइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ के चेयरमैन जनरल डैन केन ने सलाह दी कि बड़े अभियान से मिडिल-ईस्ट में तैनात अमेरिकी सैनिकों और सहयोगी देशों की सुरक्षा प्रभावित हो सकती है। रिपोर्ट के अनुसार, अप्रैल के अंत तक अमेरिका 1200 से ज्यादा पैट्रियट इंटरसेप्टर मिसाइलें इस्तेमाल कर चुका था।

अधिकारियों की चेतावनी- देश में पैट्रियट इंटरसेप्टर मिसाइलों की कमी

एक्सियोस के मुताबिक, फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि हमले रोकने का फैसला अस्थायी है या लंबे समय तक लागू रहेगा। हालांकि, जरूरत पड़ने पर अमेरिकी सेना बड़े सैन्य अभियान के लिए तैयार रहेगी।

कारगिल विजय दिवस | 27 साल बाद भी आंखें नम कर देती है कारगिल के शहीद राजेश गुरुंग द्वारा लिखी गईं पंक्तियां

आखिरी चिट्ठी- 'लौटा तो खुद फोन करूंगा... नहीं तो किसी और का आएगा'

देहरादून, एजेंसी

कारगिल विजय दिवस केवल सैन्य जीत का उत्सव नहीं, बल्कि उन वीर सैनिकों के अदम्य साहस और सर्वोच्च बलिदान को याद करने का अवसर भी है, जिन्होंने देश की रक्षा के लिए अपने प्राण न्योछावर कर दिए। ऐसी ही एक कहानी है उत्तराखंड के देहरादून निवासी नागा रेजीमेंट के वीर सिपाही राजेश गुरुंग की, जिनकी अंतिम चिट्ठी आज भी देशभक्ति, कर्तव्य और परिवार के प्रति समर्पण का जीवंत दस्तावेज बनी हुई है।

साल 1999 के कारगिल युद्ध में टाइगर हिल पर निर्णायक लड़ाई से पहले राजेश गुरुंग ने अपने पिता को एक चिट्ठी लिखी थी। उस चिट्ठी की कुछ पंक्तियां आज भी पढ़ने वाले हर व्यक्ति को भावुक कर देती हैं। उन्होंने लिखा था, 'जिस जगह पर हम हैं, वहां से लौट पाएंगे या नहीं, कुछ कहा नहीं जा सकता। अगर जिंदा बचा तो दो-तीन दिन बाद मेरा फोन आएगा, नहीं बचा तो मेरी जगह किसी और का फोन आएगा।' यह एक सैनिक की वह सच्चाई थी, जो मौत को सामने देखकर भी अपने कर्तव्य से पीछे हटने को तैयार नहीं था। 6 जुलाई 1999 को टाइगर हिल पर दुश्मनों से लड़ते हुए राजेश गुरुंग वीरगति को प्राप्त हुए। उनका फोन कभी नहीं आया, लेकिन उनकी शहादत ने उन्हें अमर बना दिया। राजेश की चिट्ठी में केवल युद्ध की आशंका नहीं, बल्कि परिवार के प्रति उनका स्नेह भी झलकता है। उन्होंने अपने पिता से शिकायत की थी कि घर से उन्हें चिट्ठियां कम मिलती हैं। उन्होंने अपनी मंगेतर का भी जिक्र करते हुए लिखा था कि उसे बता देना, वह ठीक हैं।

अंत में उन्होंने विश्वास जताया कि यदि यह लड़ाई समाप्त हुई तो वह देश और परिवार का नाम रोशन करके लौटेंगे। 1999 का कारगिल युद्ध भारतीय सेना के अद्वितीय साहस, रणनीति और धैर्य का प्रतीक माना जाता है। दुश्मन ने ऊंची पर्वतीय चोटियों पर कब्जा कर लिया था, जहां पहुंचना ही असाधारण चुनौती थी। कठिन मौसम, ऑक्सीजन की कमी और लगातार गोलाबारी के बीच भारतीय सैनिकों ने एक-एक चोटी पर तिरंगा फहराया।

गढ़ीकैंट में राजेश गुरुंग का स्मारक।

परिवार ने बनवाया स्मारक

कारगिल युद्ध को 27 वर्ष बीत चुके हैं, लेकिन राजेश गुरुंग का परिवार आज भी उनकी स्मृतियों को संजोए हुए है। परिवार ने अपनी जमा-पूंजी से गढ़ीकैंट में उनके नाम पर एक स्मारक मंदिर बनवाया, जहां उनकी प्रतिमा स्थापित है। उनकी मां बसंती देवी कहती हैं कि बेटा भले ही आज उनके बीच नहीं है, लेकिन उसका साहस और बलिदान हर दिन उन्हें गर्व से भर देता है। वीर सैनिक की यह विरासत अब अगली पीढ़ी तक भी पहुंच रही है। राजेश के छोटे भाई अजय का पुत्र अक्षित अपने ताऊ से प्रेरित होकर भारतीय सेना में भर्ती होने की तैयारी कर रहा है। परिवार का मानना है कि राजेश का अधूरा सपना अब नई पीढ़ी आगे बढ़ाएगी।

तीन साल बाद कटेगा निशातपुरा स्टेशन का फीता, 28 को सीएम देंगे सौगात

आधुनिक यात्री सुविधाओं से होगा लैस, सजावट और अंतिम तैयारियों ने पकड़ी रफ्तार

भोपाल। दोपहर मेट्रो

करोड़ों रुपये की लागत से बनकर तैयार होने के बावजूद लंबे समय से बंद पड़े निशातपुरा रेलवे स्टेशन का इंतजार अब खत्म होने जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव अब 28 जुलाई को स्टेशन का लोकार्पण करेंगे। पहले यह कार्यक्रम 26 जुलाई को प्रस्तावित था, लेकिन मुख्यमंत्री की व्यस्तता के कारण इसे आगे बढ़ा दिया गया। स्टेशन के शुरू होते ही इंदौर-जम्मूतवी मालवा एक्सप्रेस और जबलपु-वेरावल सोमनाथ एक्सप्रेस का संचालन निशातपुरा रेलवे स्टेशन से किया जाएगा। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, निशातपुरा स्टेशन शुरू होने से करीब तीन लाख से अधिक लोगों को सीधा लाभ मिलेगा। भोपाल जंक्शन और रानी कमलापति स्टेशन पर यात्रियों का दबाव कम होगा तथा भोपाल, विदिशा, रायसेन, सीहोर और आसपास के क्षेत्रों के यात्रियों को नजदीक से रेल सुविधा मिल सकेगी।

भोपाल में शिक्षिका के बैंक खाते से साइबर ठगी

न फोन, न OTP, लिंक भी नहीं आया खाते से उड़ गए 2.91 लाख रुपए

भोपाल। दोपहर मेट्रो

साइबर जालसाज अब ठगी के ऐसे तरीके अपना रहे हैं, जिनमें पीड़ित को न कोई फोन आता है और न ही ओटीपी या संदिग्ध लिंक के जरिए झांसे में लिया जाता है। राजधानी में ऐसे ही दो मामलों में जालसाजों ने लाखों रुपये की चपत लगा दी। हबीबगंज थाना क्षेत्र में 57 वर्षीय शिक्षिका रेखा भार्गव के बैंक खाते से 2 लाख 91 हजार 450 रुपये निकाल लिए गए। खास बात यह है कि पीड़िता के अनुसार न तो उन्हें किसी अज्ञात व्यक्ति का फोन आया, न उन्होंने किसी के साथ ओटीपी साझा किया और न ही किसी संदिग्ध लिंक या एप पर क्लिक किया।

पुलिस के अनुसार, दो दिन पहले शिक्षिका के मोबाइल पर बैंक खाते से रकम निकाले जाने के कई मैसेज आए। इसके बाद उन्होंने बैंक पहुंचकर जानकारी ली। बैंक अधिकारियों ने जांच में बताया कि उनके खाते से कई ट्रांजेक्शन के जरिए कुल 2.91 लाख रुपये निकाले गए हैं। शिकायत के बाद पुलिस ने अज्ञात साइबर जालसाजों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। इसी तरह निशातपुरा थाना क्षेत्र में कियाफत खान के साथ भी साइबर धोखाधड़ी हुई। आरोप है कि उनका मोबाइल हैक कर जालसाजों ने क्रेडिट कार्ड से 1 लाख 72 हजार रुपये निकाल लिए। पुलिस दोनों मामलों में बैंकिंग ट्रांजेक्शन और साइबर तकनीकी साक्ष्यों की जांच कर रही है। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि रकम किन खातों में पहुंची और ठगी को अंजाम देने के लिए किस तरीके का इस्तेमाल किया गया।

निशातपुरा : युवक के कार्ड से 1.72 लाख निकाले

राजधानी में साइबर ठगी का दूसरा मामला निशातपुरा थाना क्षेत्र से सामने आया है। यहां रहने वाले कियाफत खान ने पुलिस को शिकायत देकर बताया कि उनका मोबाइल फोन हैक होने के बाद जालसाजों ने उनके क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल कर 1 लाख 72 हजार रुपये निकाल लिए। पीड़ित को जब इसकी जानकारी हुई तो उन्होंने पुलिस से शिकायत की। पुलिस के अनुसार, प्रारंभिक जांच में मोबाइल हैकिंग के जरिए कार्ड से ट्रांजेक्शन किए जाने की बात सामने आई है। अब साइबर टीम तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर जांच कर रही है। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि मोबाइल में सेंध कैसे लगी और कार्ड से निकाली गई रकम किस खाते या माध्यम के जरिए आगे ट्रांसफर की गई।

खाते से रकम निकली, पीड़िता को भनक तक नहीं लगी

हबीबगंज थाना क्षेत्र निवासी 57 वर्षीय शिक्षिका रेखा भार्गव के साथ हुई साइबर ठगी ने बैंक खातों की सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं। पुलिस के मुताबिक, दो दिन पहले उनके मोबाइल पर बैंक खाते से पैसे निकाले जाने के लगातार कई मैसेज आए। संदेशों को देखकर वह घबरा गईं और तत्काल बैंक पहुंचीं। बैंक अधिकारियों ने खाते की जांच की तो पता चला कि अलग-अलग ट्रांजेक्शन के जरिए कुल 2 लाख 91 हजार 450 रुपये निकाले जा चुके हैं। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि इस दौरान उनके पास किसी अज्ञात व्यक्ति का फोन नहीं आया। उन्होंने न तो किसी को ओटीपी बताया और न ही किसी संदिग्ध लिंक पर क्लिक किया। अब पुलिस ट्रांजेक्शन की पूरी जानकारी जुटा रही है।

बिना कॉल और ओटीपी के फ्रॉड ने बढ़ाई पुलिस की चिंता

राजधानी में सामने आए साइबर ठगी के ये मामले जालसाजों के बदलते तौर-तरीकों की ओर इशारा कर रहे हैं। आमतौर पर साइबर अपराधी फोन कॉल, फर्जी लिंक, ओटीपी या केवाईसी अपडेट के नाम पर लोगों को निशाना बनाते हैं, लेकिन अब कई मामलों में पीड़ित को इन तरीकों से भी कोई संपर्क नहीं किया जाता। खाते से सीधे रकम निकलने या मोबाइल और डिजिटल माध्यमों में सेंध लगाकर वित्तीय नुकसान पहुंचाने की घटनाएं सामने आ रही हैं। पुलिस दोनों मामलों में बैंकिंग रिकॉर्ड, ट्रांजेक्शन डिटेल, मोबाइल गतिविधियों और अन्य डिजिटल साक्ष्यों की जांच कर रही है।

भोपाल जिला उपभोक्ता आयोग का फैसला

रिटायर्ड कर्नल से रकम लेकर फ्लैट नहीं बनाया बिल्डर को लौटाने होंगे ब्याज सहित 44.72 लाख

भोपाल। दोपहर मेट्रो

सेना से सेवानिवृत्त कर्नल विजय कुमार सहगल को फ्लैट के नाम पर रकम जमा कराने के बाद कब्जा नहीं मिला। जिस परियोजना में उन्होंने फ्लैट बुक कराया था, वहां तय समय बीतने के बाद भी निर्माण पूरा नहीं हुआ। भोपाल जिला उपभोक्ता आयोग ने मामले में बिल्डर मलय एपिक होम्स एलएलपी को कर्नल सहगल की जमा राशि 44 लाख 72 हजार 480 रुपये सात प्रतिशत वार्षिक ब्याज सहित लौटाने का आदेश दिया है।

कर्नल सहगल के अनुसार, उन्होंने महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले में विकसित की जा रही 'रेनबो काउंटी-द डिफेंस इन्क्लेव' परियोजना में फ्लैट बुक कराया था। बिल्डर ने वर्ष 2020 तक कब्जा देने का वादा किया था। बाद में देरी का हवाला देते हुए समयसीमा 2024 तक बढ़ा दी गई, लेकिन इसके बाद भी उन्हें फ्लैट नहीं मिला। कर्नल सहगल जब परियोजना स्थल पर पहुंचे तो वहां निर्माण कार्य केवल प्लिंथ स्तर तक ही हुआ था। उन्होंने बिल्डर से रकम वापस मांगी, लेकिन कोई

संतोषजनक कार्रवाई नहीं हुई। बिल्डर ने केवल मूलधन लौटाने की पेशकश की, जिसके बाद कर्नल सहगल ने इसे सेवा में कमी और अनुचित व्यापार व्यवहार बताते हुए भोपाल जिला उपभोक्ता आयोग में परिवाद दायर किया। बिल्डर ने आयोग में दलील दी कि मामला संपत्ति विवाद से जुड़ा है और इसका फैसला सिविल कोर्ट में होना चाहिए। आयोग के अध्यक्ष योगेश दत्त शुक्ल, सदस्य डॉ. प्रतिभा पांडेय और डॉ. संजीव सिंह की पीठ ने इस दलील को खारिज कर दिया। आयोग ने कहा कि उपभोक्ता को अपने निवास स्थान के क्षेत्राधिकार वाले आयोग में शिकायत दर्ज कराने का अधिकार है। आयोग ने माना कि पूरी रकम लेने के बाद समय पर कब्जा नहीं देना सेवा में कमी और अनुचित व्यापार व्यवहार है। उपभोक्ता को अनिश्चितकालीन देरी का बोझ उठाने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता।

आयोग ने कहा- देरी का बोझ खरीदार पर नहीं डाल सकता बिल्डर

उपभोक्ता आयोग ने अपने आदेश में कहा कि बिल्डर द्वारा फ्लैट की पूरी कीमत लेने के बावजूद तय समय में कब्जा नहीं देना गंभीर सेवा कमी है। आवंटी को वर्षों तक अपने पैसे के लिए इंतजार करने के लिए बाध्य नहीं किया जा सकता। आयोग के अनुसार, बिल्डर ने कर्नल सहगल की बड़ी रकम लंबे समय तक अपने पास रखी, लेकिन न तो परियोजना पूरी की और न ही समय पर धनवापसी की। ऐसे मामलों में उपभोक्ता को ब्याज सहित पूरी रकम वापस पाने का अधिकार है। आयोग ने बिल्डर के इस तर्क को भी स्वीकार नहीं किया कि मामला केवल संपत्ति विवाद है। पीठ ने स्पष्ट किया कि उपभोक्ता संरक्षण कानून के तहत ऐसी शिकायत पर उपभोक्ता आयोग सुनवाई कर सकता है।

ऑपरेशन के लिए रिश्वत मांगने पर सीबीआई ने दर्ज किया केस

भोपाल। दोपहर मेट्रो

एम्स भोपाल में मरीज के उपचार के नाम पर रिश्वत मांगने का मामला सामने आया है। सीबीआई ने एम्स के नर्सिंग अधिकारी गिरधारी चौधरी के खिलाफ मरीज के स्वजन से 16 हजार 500 रुपए रिश्वत मांगने के आरोप में एफआईआर दर्ज की है। आरोप है कि राशि सर्जिकल उपकरणों के इंतजाम के नाम पर मांगी गई थी। शिकायतकर्ता के अनुसार, बाद में आरोपित 12 हजार रुपए लेने पर सहमत हो गया था। सीबीआई के अनुसार, शाजापुर जिले के कालापीपल निवासी शांताबाई उपचार के लिए एम्स भोपाल में भर्ती थीं। उनके बेटे विनोद मेवाड़ा ने आरोप लगाया कि नर्सिंग अधिकारी गिरधारी चौधरी ने सर्जिकल उपकरण उपलब्ध कराने के बदले 16 हजार

500 रुपये की मांग की। आरोपित ने कथित तौर पर यह भी कहा कि यदि रकम नहीं दी गई तो ऑपरेशन नहीं होगा। इसके बाद मेवाड़ा ने मामले की शिकायत सीबीआई भोपाल से की। शिकायतकर्ता ने 23 जुलाई को सीबीआई कार्यालय पहुंचकर आवेदन दिया था। एजेंसी ने शिकायत का सत्यापन कराया, जिसमें रिश्वत मांगने के आरोपों की पुष्टि होने के बाद मामला दर्ज किया गया। सीबीआई अब प्रकरण से जुड़े तथ्यों, बातचीत और अन्य साक्ष्यों की जांच कर रही है।

डेढ़ महीने की तलाश के बाद जीआरपी ने दबोचा शातिर चोर

चलती ट्रेन से छलांग लगाकर भागा था चोर 100 सीसीटीवी कैमरों ने पहुंचाया मथुरा तक

भोपाल। दोपहर मेट्रो

चलती ट्रेन में महिला का बैग झपटकर फरार हुए शातिर चोर को जीआरपी भोपाल ने करीब डेढ़ महीने की लगातार तलाश के बाद मथुरा से गिरफ्तार कर लिया। आरोपी ने वारदात के बाद पुलिस से बचने के लिए चलती ट्रेन से छलांग लगा दी थी। पुलिस ने उसके कब्जे और ठिकानों से करीब सात लाख रुपये कीमत के सोने के जेवर, दो मोबाइल और अन्य सामान बरामद किया है। आरोपी की पहचान संजय प्रजापति उर्फ कमांडो (22), निवासी पन्ना के रूप में हुई है। उसके खिलाफ जीआरपी झांसी में चोरी के तीन मामले पहले से दर्ज बताए गए हैं।

पुलिस के अनुसार, 27 मई 2026 को आशा नागेश अपने परिवार के साथ ट्रेन संख्या 19302 यशवंतपुर एक्सप्रेस से अमरावती से उज्जैन जा रही थीं। सीहोर स्टेशन पहुंचने से पहले ट्रेन की रफ्तार धीमी हुई। इसी दौरान एक युवक ने महिला के सिरहाने रखा बैग झपटा और चलती ट्रेन से कूदकर फरार हो गया। बैग में दो मोबाइल, दो मंगलसूत्र, चार सोने की अंगूठियां, नेकलेस, चेन, कान के झुमके, 31 हजार रुपये नकद समेत अन्य सामान रखा था।

मामला दर्ज होने के बाद जीआरपी ने घटनास्थल से लेकर बैरागढ़ तक करीब 100 सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले और उनकी कड़ियां जोड़ते हुए आरोपी की पहचान की। पुलिस टीम को आरोपी के औरंगाबाद में होने की जानकारी मिली, जहां उसके भाई के जरिए सुराग जुटाया गया। इसके बाद टीम ने मथुरा में दबिश देकर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस ने आरोपी की बैरागढ़ स्थित किराये की झुग्गी और छतरपुर जिले में उसकी मौसी के घर से चोरी का सामान बरामद किया। कार्रवाई में जीआरपी भोपाल की विशेष टीम और साइबर सेल की अहम भूमिका रही। पुलिस अब आरोपी से पूछताछ कर उसके अन्य अपराधों और संभावित साथियों के बारे में जानकारी जुटा रही है।

सीआरसी में बच्चों ने बिखेरा हुनर, देशभक्ति गीतों और नृत्य से बांधा समां

भोपाल। दोपहर मेट्रो

सीआरसी भोपाल ने इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय के सहयोग से सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया। विशेष आवश्यकता वाले बच्चों ने देशभक्ति गीत, समूह नृत्य और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों में आत्मविश्वास, सामाजिक सहभागिता और राष्ट्रप्रेम की भावना को बढ़ावा देना रहा। इस दौरान पीएमडीके इकाई द्वारा दिव्यांगजन सशक्तिकरण, पुनर्वास सेवाओं, सहायक उपकरणों और शासकीय योजनाओं को लेकर जागरूकता प्रदर्शनी भी लगाई गई।

मेट्रो एंकर

दो प्रमुख रूटों पर दौड़ेंगी 10 नई इलेक्ट्रिक बसें, बोर्ड ऑफिस बनेगा केंद्रीय हब

राजधानी में कल से ई-बसों में फ्री सफर, 15 अगस्त तक नहीं लगेगा किराया

भोपाल। दोपहर मेट्रो

शहर में आधुनिक सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था की दिशा में नई इलेक्ट्रिक बसों का यात्री ट्रायल सोमवार से शुरू होगा। ट्रायल अवधि में यात्री दो प्रमुख रूटों पर संचालित होने वाली 10 ई-बसों में निशुल्क सफर कर सकेंगे। यह सुविधा 15 अगस्त तक प्रस्तावित नियमित संचालन शुरू होने तक जारी रहने की संभावना है। इससे पहले पांच ई-बसों का पांच दिन तक बिना यात्रियों के ट्रायल किया गया था, जिसमें रूट, यात्रा समय, ट्रैफिक और परिचालन व्यवस्था की जांच की गई।

पीएम ई-बस सेवा योजना के तहत भोपाल को कुल 245 ई-बसें मिलनी हैं। वर्ष 2026 के अंत तक 10 रूटों पर 100 इलेक्ट्रिक बसें चलाने का लक्ष्य है। अब तक 21 बसें शहर पहुंच चुकी हैं। बसों के चार्जिंग और पार्किंग के लिए संत हिरदाराम नगर में ई-बस डिपो तैयार किया गया है। बीसीएलएल के अनुसार, बोर्ड ऑफिस चौराहा ई-बस नेटवर्क का केंद्रीय हब होगा। पांच बसें बैरागढ़ डिपो से लालघाटी, पीरगेट, मोती मस्जिद, कमला पार्क और न्यू मार्केट होते हुए बोर्ड ऑफिस पहुंचेंगी। यहां से पांच बसें रानी कमलापति रेलवे स्टेशन से बिट्टन मार्केट, शाहपुरा होते हुए कोलार जाएंगी, जबकि पांच बसें बोर्ड

ऑफिस से चेतक ब्रिज, सुभाष नगर, प्रभात चौराहा और अशोका गार्डन होते हुए कोच फैक्ट्री तक चलेंगी। एसी ई-बसों में डिजिटल टिकटिंग, मोबाइल ऐप आधारित पास, पांच सीसीटीवी कैमरे, एआई पैसेंजर काउंटिंग सिस्टम, पैनिक और इमरजेंसी बटन समेत कई सुरक्षा सुविधाएं हैं। दिव्यांग यात्रियों के लिए हाइड्रोलिक व्हीलचेयर लिफ्ट भी उपलब्ध है। यात्री ट्रायल सफल होने के बाद नियमित संचालन शुरू किया जाएगा।

इन रूटों पर दौड़ेंगी बसे

भोपाल में शुरू होने जा रहे ई-बस यात्री ट्रायल के दौरान दो प्रमुख रूटों पर 10 बसें संचालित होंगी। बोर्ड ऑफिस चौराहा इस पूरे नेटवर्क के केंद्रीय हब के रूप में काम करेगा। एक रूट पर बसें बैरागढ़ डिपो से लालघाटी, पीरगेट, मोती मस्जिद, कमला पार्क और न्यू मार्केट होते हुए बोर्ड ऑफिस पहुंचेंगी। इसके बाद पांच बसें रानी कमलापति रेलवे स्टेशन से बिट्टन मार्केट और शाहपुरा होते हुए कोलार की ओर जाएंगी। वहीं, पांच बसें बोर्ड ऑफिस से चेतक ब्रिज, सुभाष नगर, प्रभात चौराहा और अशोका गार्डन होते हुए कोच फैक्ट्री तक चलेंगी। यात्रियों के लिए ट्रायल अवधि में सफर निशुल्क रहेगा।

ई-बसों में पांच कैमरे, एआई सिस्टम और पैनिक बटन भी

नई इलेक्ट्रिक बसों को यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा के लिहाज से आधुनिक तकनीक से लैस किया गया है। प्रत्येक एसी ई-बस में पांच सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। दोनों दरवाजों पर एआई आधारित पैसेंजर काउंटिंग सिस्टम, पैनिक बटन, इमरजेंसी बटन और स्टॉप बटन की सुविधा होगी। हर खिड़की पर इमरजेंसी हैमर, पब्लिक अनाउंसमेंट सिस्टम और एलईडी पैसेंजर सूचना डिस्प्ले भी लगाए गए हैं। बसों में डिजिटल टिकटिंग और मोबाइल ऐप आधारित पास की सुविधा उपलब्ध रहेगी। दिव्यांग यात्रियों के लिए ऑटोमैटिक हाइड्रोलिक व्हीलचेयर लिफ्ट भी दी गई है। पीएम ई-बस सेवा योजना के तहत भोपाल में भविष्य में 100 ई-बसों के संचालन का लक्ष्य रखा गया है।

रिहाइशी इलाकों में 30 हजार अवैध दुकानों पर लटकी सीलिंग की तलवार

भोपाल। दोपहर मेट्रो

राजधानी के रिहाइशी इलाकों में संचालित अवैध दुकानों, दफ्तरों, बैंकों और शोरूमों पर नगर निगम बड़ी कार्रवाई की तैयारी में है। पहले चरण में अरेरा कॉलोनी, बावड़िया कला और रोहित नगर के 429 व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को नोटिस जारी किए गए हैं। 27 जुलाई तक वैध दस्तावेज जमा नहीं करने या व्यावसायिक गतिविधियां बंद नहीं करने पर प्रतिष्ठानों को खाली कराकर सील किया जाएगा। नगर निगम को 30 जुलाई तक सुप्रीम कोर्ट में कार्रवाई की रिपोर्ट पेश करनी है, जबकि मामले की अगली सुनवाई 4 अगस्त को होगी।

प्रदेश का पहला डबल डेकर ब्रिज

इंदौर-उज्जैन मेट्रोपॉलिटन रीजन को मिलेगी गति

राज्य सरकार इंदौर-उज्जैन मेट्रोपॉलिटन रीजन विकसित कर रही है। इस योजना का उद्देश्य दोनों शहरों को आर्थिक, औद्योगिक, आवासीय और परिवहन नेटवर्क के रूप में जोड़ना है। विशेषज्ञों का मानना है कि लवकुश डबल डेकर ब्रिज इस क्षेत्रीय विकास की महत्वपूर्ण कड़ी साबित होगा और भविष्य में बेहतर सड़क नेटवर्क, मेट्रो कनेक्टिविटी, औद्योगिक निवेश और लॉजिस्टिक्स को गति मिलेगी। लवकुश डबल डेकर ब्रिज के साथ इंदौर-उज्जैन मार्ग को छह लेन में विकसित किया जा रहा है। सिंहस्थ-2028 को ध्यान में रखते हुए सड़क चौड़ीकरण, फ्लाईओवर और ट्रैफिक प्रबंधन से जुड़े कई प्रोजेक्ट एक साथ चल रहे हैं। इनके पूरा होने के बाद दोनों शहरों के बीच आवागमन अधिक तेज, सुरक्षित और व्यवस्थित होने की उम्मीद है।

हाईटेक ट्रैफिक इंटरचेंज तैयार

नीचे सड़क, ऊपर मेट्रो ट्रैक

इंदौर, दोपहर मेट्रो

इंदौर के सबसे व्यस्त चौराहों में शामिल लवकुश चौराहा अब शहर के सबसे आधुनिक ट्रैफिक इंटरचेंज के रूप में विकसित हो रहा है। करीब 175 करोड़ रुपए की लागत से बन रहा प्रदेश का पहला डबल डेकर ब्रिज अंतिम चरण में है।

ख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव दो दिन पहले इसकी एक लेन का शुभारंभ कर चुके हैं, जिससे एक ओर का यातायात सुगम हो गया है। अब दूसरी लेन का निर्माण सितंबर तक पूरा होने का लक्ष्य है। इसके बाद उज्जैन रोड, एमआर-10, बाणगंगा, अरबिंदो अस्पताल, एयरपोर्ट और शहर के पश्चिमी हिस्से के बीच आवागमन पहले की तुलना में अधिक तेज और सुगम होगा। यह मध्य प्रदेश का पहला ऐसा डबल डेकर ब्रिज है, जहां सड़क, ब्रिज और मेट्रो एक ही कॉरिडोर (एमआर-10 रोड) पर अलग-अलग स्तर पर संचालित होंगे। नीचे सड़क यातायात और ऊपर मेट्रो ट्रैक रहेगा। सीमित स्थान में दोहरी परिवहन व्यवस्था विकसित होने से भविष्य में ट्रैफिक का दबाव कम होने की उम्मीद है।

2023 में शुरू हुआ था प्रोजेक्ट

आईडीए ने साल 2023 में इस प्रोजेक्ट का निर्माण शुरू कराया था। मेट्रो कॉरिडोर के साथ समन्वय, तकनीकी जटिलताओं और स्टील बो-स्ट्रिंग स्ट्रक्चर के निर्माण के कारण काम कई चरणों में पूरा किया गया। पहली लेन 23 जुलाई 2026 को शुरू हुई, जबकि दूसरी लेन सितंबर 2026 तक शुरू करने का लक्ष्य रखा गया है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शुभारंभ करते हुए कहा था- यह परियोजना सिंहस्थ-2028 के दौरान इंदौर-उज्जैन मार्ग पर बढ़ते यातायात को सुगम बनाने में अहम भूमिका निभाएगी। सिंहस्थ-2028 के दौरान लाखों श्रद्धालु इंदौर एयरपोर्ट और शहर के रास्ते उज्जैन पहुंचेंगे। ऐसे में लवकुश डबल डेकर ब्रिज प्रमुख ट्रैफिक लिंक बनेगा। इसके शुरू होने से उज्जैन रोड पर जाम कम होगा, एयरपोर्ट से उज्जैन तक तेज कनेक्टिविटी मिलेगी, बाणगंगा, एमआर-10 और अरबिंदो अस्पताल क्षेत्र का ट्रैफिक दबाव घटेगा और ईंधन और यात्रा समय की बचत होगी।

सीएम का कांग्रेस पर तीखा हमला

देशभर में सिमट रही पार्टी को दतिया से भी करना है साफ

कहा- यह चुनाव विकास बनाम कांग्रेस की राजनीति का

भाजपा प्रत्याशी आशुतोष तिवारी को ऐतिहासिक मतों से जिताने की अपील

दतिया, दोपहर मेट्रो

दतिया विधानसभा उपचुनाव में चुनाव प्रचार के दौरान भारतीय जनता पार्टी ने कांग्रेस पर हमले तेज कर दिए हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने उदगुवा और उपराय में जनसभाओं के साथ प्रबुद्धजनों और व्यापारियों की बैठकों को संबोधित करते हुए कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने उपचुनाव को विकास बनाम कांग्रेस की राजनीति की लड़ाई बताते हुए मतदाताओं से भाजपा प्रत्याशी आशुतोष तिवारी को ऐतिहासिक मतों से विजयी बनाने की अपील की। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिस तरह कांग्रेस देशभर में सिमटती जा रही है, उसी तरह अब उसे दतिया से भी पूरी तरह बाहर करना है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि दतिया का उपचुनाव केवल विधायक चुनने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह क्षेत्र के विकास को नई गति देने का अवसर है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने लंबे समय तक विकास कार्यों को बाधित किया और जनता को भ्रमित करने की राजनीति की।

केन-बेतवा परियोजना को बताया गेमचेंजर

मुख्यमंत्री ने केंद्र और प्रदेश की भाजपा सरकार की उपलब्धियां गिनाते हुए कहा कि गरीब, किसान, युवा और महिलाओं के कल्याण को सरकार ने प्राथमिकता दी है। उन्होंने लगभग एक लाख करोड़ रुपये की लागत वाली केन-बेतवा लिंक परियोजना को बुंदेलखंड के लिए ऐतिहासिक बताया। मुख्यमंत्री के अनुसार, परियोजना से क्षेत्र में सिंचाई और पेयजल की सुविधाओं को मजबूती मिलेगी तथा कृषि और बुनियादी ढांचे के विकास को भी गति मिलेगी। इसका लाभ दतिया सहित बुंदेलखंड के अन्य क्षेत्रों को भी मिलने की उम्मीद है।

डॉ. यादव ने कहा कि भाजपा जो वादा करती है, उसे पूरा करने का प्रयास भी करती है। उन्होंने मतदाताओं से विकास और जनकल्याण के पक्ष में मतदान करने का आह्वान किया।

राम मंदिर के मुद्दे पर राहुल गांधी को घेरा

चुनावी सभा में मुख्यमंत्री ने कांग्रेस के वैचारिक रुख पर भी सवाल उठाए। उन्होंने राहुल गांधी सहित कांग्रेस के शीर्ष नेताओं पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्होंने अभी तक अयोध्या जाकर भगवान श्रीराम के दर्शन नहीं किए हैं। डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश सरकार भगवान श्रीराम और भगवान श्रीकृष्ण से जुड़े धार्मिक स्थलों के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री ने भाजपा प्रत्याशी आशुतोष तिवारी, वरिष्ठ नेता डॉ. नरोत्तम मिश्रा और स्वयं का जिक्र करते हुए कहा, 'हम तीन नहीं, 111 हैं।' उन्होंने इसे भाजपा की एकजुटता और संगठन की ताकत का प्रतीक बताते हुए कार्यकर्ताओं से पूरी ताकत के साथ चुनाव मैदान में जुटने का आह्वान किया। इस दौरान मौजूद कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री के बयान का जोरदार समर्थन किया।

नशे के खिलाफ प्रदेश पुलिस की हाईटेक पहल

मप्र में पहली बार सभी थानों को मिली ड्रग डिटेक्शन किट, जांच होगी प्रभावी

इंदौर, दोपहर मेट्रो

नशे से दूरी है जरूरी 2.0 अभियान के तहत इंदौर पुलिस कमिश्नरेट ने नशे के खिलाफ कार्रवाई को और प्रभावी बनाने के लिए बड़ी पहल की है। शनिवार को पुलिस कमिश्नरेट के सभी पुलिस थानों को नारकोटिक्स ड्रग डिटेक्शन किट दी गई। इसके साथ ही इंदौर मध्यप्रदेश का पहला पुलिस कमिश्नरेट बन गया है, जहां हर थाने में यह आधुनिक किट उपलब्ध होगी।

पुलिस कमिश्नर संतोष कुमार सिंह ने पुलिस अधिकारियों को किट सौंपते हुए कहा कि मध्यप्रदेश में इंदौर पहला जिला है, जहां सभी पुलिस थानों को नारकोटिक्स ड्रग डिटेक्शन किट उपलब्ध कराई गई है। इन आधुनिक किटों के माध्यम से एनडीपीएस अधिनियम के प्रकरणों में जब्त मादक पदार्थों की प्रारंभिक वैज्ञानिक जांच अधिक शीघ्र, सटीक एवं प्रभावी ढंग से की जा सकेगी। इससे अनुसंधान की गुणवत्ता में वृद्धि होगी, विवेचना और अधिक सुदृढ़ होगी तथा पुलिस की कार्यकुशलता और कार्रवाई की प्रभावशीलता में भी वृद्धि होगी।

उन्होंने कहा कि इंदौर पुलिस नशे के विरुद्ध कठोर कार्रवाई के साथ-साथ आधुनिक तकनीक एवं वैज्ञानिक संसाधनों के उपयोग को भी प्राथमिकता दे रही है, जिससे मादक पदार्थों की तस्करी एवं अवैध कारोबार पर और अधिक प्रभावी नियंत्रण स्थापित किया जा सके।

किट का मिलेगा फायदा

- मप्र में पहली बार सभी थानों को ड्रग डिटेक्शन किट मिली।
- जब्त मादक पदार्थों की मौके पर प्रारंभिक वैज्ञानिक जांच संभव होगी।
- एनडीपीएस मामलों की जांच होगी अधिक तेज, सटीक और पारदर्शी।
- अनुसंधान की गुणवत्ता बढ़ेगी, पुलिस की कार्रवाई होगी और प्रभावी।
- नशे से दूरी है ज़रूरी 2.0 अभियान को मिलेगी तकनीकी मजबूती।

90 हजार अतिथि शिक्षकों के लिए बड़ा फैसला

एक साल में 10 सीएल पाएंगे अतिथि शिक्षक; जल्द जारी किए जाएंगे आदेश

भोपाल, दोपहर मेट्रो

प्रदेश के अतिथि शिक्षकों की री-जॉइनिंग में 90 प्रतिशत ई-अटेंडेंस से राहत देने के बाद स्कूल शिक्षा विभाग ने अब इनके अवकाश को लेकर बड़ा फैसला लिया है। अब स्कूल शिक्षा विभाग में कार्यरत 90 हजार अतिथि शिक्षकों को आकस्मिक अवकाश की सुविधा मिलेगी। हर अतिथि शिक्षक को अब साल भर में दस सीएल यानी आकस्मिक अवकाश मिलेंगे। अब तक एक भी अवकाश अतिथि शिक्षकों को नहीं मिलते थे। स्कूल शिक्षा मंत्री ने कहा है कि विभाग जल्दी ही इसके आदेश जारी करेगा।

स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह ने कहा है कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से चर्चा के बाद प्रदेश के अतिथि शिक्षकों के हित में स्कूल शिक्षा विभाग का एक और महत्वपूर्ण निर्णय हुआ है। सिंह के अनुसार, अतिथि शिक्षकों को उनकी कार्य-सुविधा को ध्यान में रखते हुए प्रदेश सरकार ने सत्र के दौरान कुल 10 आकस्मिक अवकाश प्रदान करने का निर्णय लिया है।

अतिथि शिक्षकों को कार्यभार ग्रहण करते ही 1 दिवस की छूरुपात्रता होगी। साथ ही हर 30 दिवस का कार्य पूर्ण होने पर 1 अतिरिक्त सीएल अर्जित होगी। अतिथि शिक्षक सत्र के दौरान उपलब्ध अवकाश में से एक बार में अधिकतम 3 छूरुले सकेंगे।

उन्होंने कहा कि स्कूल शिक्षा विभाग प्रदेश के शिक्षकों के हितों की रक्षा और उनके कार्य परिवेश को बेहतर बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रहा है। इस संबंध में आवश्यक आदेश जारी करने के लिए विभाग को निर्देशित किया गया है।

अतिथि शिक्षकों पर नरम हुई सरकार

अतिथि शिक्षक समन्वय समिति के प्रदेश अध्यक्ष सुनील सिंह परिहार के नेतृत्व में पिछले दिनों लोक शिक्षण आयुक्त के साथ बैठक हुई थी। इसमें बताया गया था कि पूरे सत्र के दौरान अतिथि शिक्षकों को कोई अवकाश नहीं मिलता है। साथ ही गंभीर बीमारी से पीड़ित, मातृत्व अवकाश, परिवार में आकस्मिक मृत्यु, नेटवर्क की अनुपलब्धता, तकनीकी कारण, किसी प्रतियोगी शैक्षणिक परीक्षा या स्वयं की शादी के कारण जिनकी 90 प्रतिशत से कम उपस्थिति है, उन्हें मानवीयता के आधार पर रियायत देने की मांग की गई थी। इसके बाद आयुक्त ने पहले री-जॉइनिंग और फिर सीएल अवकाश की राहत दी है।

90% ई-अटेंडेंस की बाध्यता से दी थी छूट

इसके पहले शुक्रवार को जारी आदेश में स्कूलों में पढ़ाने वाले प्रदेश के पांच हजार ऐसे शिक्षकों के हित में लोक शिक्षण आयुक्त ने फैसला लिया था कि जिनकी ई-अटेंडेंस 90 प्रतिशत नहीं होने के कारण इस शिक्षा सत्र में विद्यालय में री-जॉइन नहीं हो पा रही थी, ऐसे शिक्षकों को री-जॉइन के लिए 90 प्रतिशत अटेंडेंस से छूट दी जाएगी। इसके बाद अब शिक्षक विद्यालयों में री-जॉइन कर सकेंगे, लेकिन इसके बाद उन्हें लगातार ई-अटेंडेंस लगानी ही होगी। इस आदेश में लोक शिक्षण आयुक्त अभिषेक सिंह ने सभी संयुक्त संचालक, जिला शिक्षा अधिकारी, विकासखंड शिक्षा अधिकारी और संकुल प्राचार्य, हायर सेकेंडरी व हाई स्कूल को दिए निर्देश में कहा है कि 30 जून 2026 को जारी आदेश में री-जॉइनिंग के लिए 90 प्रतिशत ई-अटेंडेंस अनिवार्य की गई थी। इसके बाद पिछले दिनों अतिथि शिक्षकों के संगठन ने आयुक्त से मुलाकात कर अपनी समस्या बताई और इसमें राहत के लिए आवेदन दिया। इसके बाद आयुक्त अभिषेक सिंह ने आदेश जारी करते हुए कहा है कि चालू शिक्षा सत्र के लिए 90 प्रतिशत ई-अटेंडेंस की अनिवार्यता में री-जॉइनिंग के लिए शिथिलता दी जाती है।

वन विहार में विद्यार्थियों ने जाना बाघों के संरक्षण का महत्व

भोपाल। अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस के उपलक्ष्य में वन विहार राष्ट्रीय उद्यान में आयोजित बाघ सप्ताह के अंतर्गत महाविद्यालय एवं विद्यालय के विद्यार्थियों के लिए सामान्य परिचयः बाघ व उनका अस्तित्व विषय पर संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। 'मध्यप्रदेश में बाघ' थीम पर 22 जुलाई से 28 जुलाई 2026 तक आयोजित किये जा रहे बाघ सप्ताह का उद्देश्य विद्यार्थियों और आमजन को बाघों के संरक्षण तथा उनके महत्व के प्रति जागरूक करना है। कार्यक्रम में मोतीलाल विज्ञान महाविद्यालय के 7 तथा गुरुनानक पब्लिक स्कूल, बीएचईएल, भोपाल के 37 विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने भाग लिया।

कुर्सी है, अधिकार नहीं: रवींद्र भवन में डेढ़ साल से 'बिना काम' बैठे प्रबंधक

भोपाल. दोपहर मेट्रो। रवींद्र भवन की प्रशासनिक व्यवस्था एक बार फिर सवालों के घेरे में है। संस्कृति संचालनालय ने अप्रैल 2025 में विजय शंकर श्रवण को पूर्णकालिक प्रबंधक के रूप में पदस्थ किया था, लेकिन करीब डेढ़ साल बाद भी उन्हें उनके पद के अनुरूप प्रशासनिक अधिकार और जिम्मेदारियां नहीं मिली हैं। संचालनालय के आदेश में स्पष्ट निर्देश थे कि प्रबंधक को कार्य, दायित्व और जिम्मेदारियां निर्धारित कर कार्यादेश जारी किया जाए, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। वर्तमान में प्रशासनिक संचालन सहायक संचालक एवं कार्यालय प्रमुख मधु चौधरी के स्तर से किया जा रहा है। जबकि सहायक संचालक का मूल दायित्व डीडीओ के रूप में वित्तीय कार्यों तक सीमित माना जाता है। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि पूर्णकालिक प्रबंधक की नियुक्ति के बावजूद प्रशासनिक नियंत्रण किस आदेश के तहत दूसरे अधिकारी के पास है। इस संबंध में संचालक संस्कृति एन.पी. नामदेव ने टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। वहीं विजय शंकर श्रवण ने स्वीकार किया कि उनके पास फिलहाल केवल पुराने कार्यों को अपडेट करने का सीमित काम है और प्रबंधक के रूप में कोई प्रशासनिक दायित्व नहीं सौंपा गया है।

प्रबंधक का पद, लेकिन जिम्मेदारियां गायब

शासन के नियमों के अनुसार रवींद्र भवन के प्रबंधक को कार्यालय संचालन, नस्तियों का परीक्षण, वित्तीय नियमों का अनुपालन, जेम पोर्टल से जुड़े कार्य, भंडार शाखा का संचालन, आउटसोर्स कर्मचारियों की उपस्थिति एवं प्रतिपूर्ति की निगरानी और कार्यालय प्रमुख व लेखापाल के साथ समन्वय की जिम्मेदारी निभानी चाहिए। इसके बावजूद विजय शंकर श्रवण का कहना है कि उन्हें केवल पुराने लंबित कार्य अपडेट करने का छोटा-सा काम दिया गया है।

ग्वालियर निगम का अनोखा एजुकेशनल टूर

25 लाख में केरल, असम और गुजरात घूमेंगे पार्षद

ग्वालियर। नगर निगम की इस परिषद का कार्यकाल पूरा होने में अब एक साल से भी कम समय बचा हुआ है। पिछले कई वर्षों से पार्षद समय-समय पर मांग कर रहे थे कि उन्हें घुमाने के लिए ले जाया जाए। तीन बार अलग-अलग ट्रैवल एजेंसियों से कुटेशन भी मंगाए गए, लेकिन टूर में ज्यादा खर्चा हो रहा था।

हाल ही में पार्षदों ने एक बार फिर निगमायुक्त संघ प्रिय से मांग की कि उन्हें एजुकेशनल टूर के हवाले कहीं घुमाने ले जाया जाए। इस पर निगमायुक्त ने 25 लाख रुपये का बजट निर्धारित कर टेंडर प्रक्रिया कराने के निर्देश दिए थे। अब निगम की जनसंपर्क शाखा ने टेंडर प्रक्रिया शुरू की है, जिसमें पार्षदों की पसंद के आधार पर केरलम, असम और गुजरात ले जाने के लिए एजेंसियों के चयन की प्रक्रिया की जा रही है।

टेंडर की शर्तों के मुताबिक पार्षदों को ग्वालियर से गुवाहाटी, ग्वालियर से मुन्नार और ग्वालियर से अहमदाबाद ले जाने के लिए ऑफर मंगाए गए हैं। इसमें पार्षदों को ट्रेन की थर्ड और सेकंड एसी क्लास में ले जाया जाएगा। आने-जाने के किराए के साथ ही नाश्ता, लंच, शाम की चाय और डिनर, ठहरने के लिए श्री व फोर स्टार होटल की व्यवस्था कराई जाएगी। इसके अलावा इन शहरों में किसी पर्यटन स्थल, म्यूजियम में प्रवेश आदि का शुल्क भी ठेका लेने वाली एजेंसी को देना होगा यानी पार्षद अपनी जेब से टिकट के पैसे भी खर्च नहीं करेंगे। पार्षदों का यह टूर चार दिन और पांच रातों का होगा।

मेट्रो एंकर भारतीय ज्ञान परंपरा को नई पीढ़ी तक पहुंचाना राष्ट्रीय अभियान, मंत्री परमार बोले-

शोध, तथ्य और प्रमाणिकता पर आधारित हों पाठ्यक्रम व पुस्तकें

भोपाल, दोपहर मेट्रो

उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री इंदर सिंह परमार ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 ने भारतीयता के भाव को शिक्षा के माध्यम से नई पीढ़ी तक पहुंचाने का ऐतिहासिक अवसर दिया है। अब हमारी जिम्मेदारी है कि पाठ्यक्रमों और पुस्तकों के जरिए भारतीय ज्ञान परंपरा, सांस्कृतिक विरासत, वैज्ञानिक दृष्टिकोण और शोध आधारित ज्ञान को विद्यार्थियों तक पहुंचाया जाए। उन्होंने कहा कि शोध आधारित, तथ्यपरक, प्रामाणिक और स्रोत-संपन्न पाठ्य सामग्री ही राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप उच्च शिक्षा की गुणवत्ता का वास्तविक मानक है।

श्री परमार भोपाल स्थित सरोजिनी नायडू शासकीय कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय में उच्च शिक्षा विभाग और मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रंथ अकादमी के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय 'स्नातक द्वितीय वर्ष पुस्तक लेखन एवं स्नातक चतुर्थ वर्ष पाठ्यक्रम निर्माण कार्यशाला' के समापन सत्र को संबोधित कर रहे थे।

परमार ने कहा कि पाठ्यक्रमों का परीक्षण अत्यंत महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। इनके माध्यम से भारतीय ज्ञान परंपरा को प्रभावी तरीके से शिक्षा में शामिल करने का अवसर मिलता है। यह केवल पुस्तक लेखन नहीं, बल्कि शिक्षा में भारतीय दृष्टि स्थापित करने का राष्ट्रीय अभियान है। उन्होंने कहा कि पुस्तक लेखन संदर्भ आधारित, शोधोन्मुख और प्रमाणिक होना चाहिए। प्रत्येक तथ्य, उद्धरण और संदर्भ का स्पष्ट स्रोत दर्ज किया जाना जरूरी है, ताकि अध्ययन-अध्यापन में विश्वसनीयता और गुणवत्ता बनी रहे।

भारतीय ज्ञान परंपरा पर गंभीर चिंतन जरूरी

शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, नई दिल्ली के राष्ट्रीय सचिव अतुल कोठारी ने कहा कि मध्यप्रदेश में भारतीय ज्ञान परंपरा के क्षेत्र में गंभीर चिंतन और आधारभूत कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पुस्तक लेखन सामूहिक बौद्धिक प्रक्रिया है, इसलिए प्रत्येक पांडुलिपि का गंभीर परीक्षण और समीक्षा जरूरी है।

विद्यार्थियों की सहभागिता भी जरूरी

मंत्री ने कहा कि पाठ्यक्रम निर्माण और पुस्तक लेखन एक सतत प्रक्रिया है। इसमें निरंतर संवाद, सुझाव और समीक्षा की आवश्यकता होती है। विद्यार्थियों की सहभागिता भी इस प्रक्रिया का महत्वपूर्ण हिस्सा होनी चाहिए, ताकि समय की जरूरत के अनुरूप उपयोगी और प्रासंगिक पाठ्य सामग्री तैयार की जा सके। उन्होंने कहा कि भारत के पूर्वजों ने विभिन्न क्षेत्रों में समृद्ध ज्ञान परंपरा विकसित की थी। जरूरत है कि उस ज्ञान को आधुनिक संदर्भों से जोड़कर पाठ्यक्रमों और पुस्तकों में शामिल किया जाए।

संडे लाइफ

भोपाल, रविवार, 26 जुलाई 2026

साइबर लिटरेसी

कोई भी वास्तविक कंपनी केवल वीडियो देखने, लाइक करने या सब्सक्राइब करने के बदले इतनी बड़ी कमाई का वादा नहीं करती। यदि कोई नौकरी या कमाई का अवसर पहले आपसे पैसा मांग रहा है, तो यह खतरे की घंटी है। डिजिटल दुनिया में सबसे बड़ा सुरक्षा कवच जागरूकता है। किसी भी ऑफर पर भरोसा करने से पहले उसकी जांच करें, जल्दबाजी न करें और परिवार के अन्य सदस्यों, विशेषकर बुजुर्गों और युवाओं को भी ऐसे साइबर जाल के बारे में जानकारी दें।

वीडियो देखो, पैसा कमाओ... पहले समझिए जाल, फिर बचाइए अपनी कमाई

आजकल सोशल मीडिया, व्हाट्सऐप और टेलीग्राम पर ऐसे संदेशों की भरमार है– 'रोज सिर्फ 30 मिनट वीडियो देखकर 3,000 कमाइए', 'यूट्यूब वीडियो लाइक करें और घर बैठे कमाई करें', 'हर वीडियो पर तुरंत भुगतान'। शुरुआत में कुछ सौ रुपये खाते में भेजकर भरोसा जीत लिया जाता है। फिर धीरे-धीरे 'प्रीमियम टास्क', 'सिक्योरिटी डिपॉजिट' या 'रिचार्ज' के नाम पर हजारों-लाखों रुपये ऐंठ लिए जाते हैं। यही आज के समय का सबसे आम साइबर फ्रॉड है।

साइबर अपराधी मनोविज्ञान का इस्तेमाल करते हैं। वे जानते हैं कि जल्दी और आसान कमाई का लालच कई लोगों को आकर्षित करता है। इसलिए वे नकली कंपनी का नाम, फर्जी वेबसाइट, टेलीग्राम ग्रुप, फर्जी बैंक रसीद और नकली कस्टमर केयर तक तैयार कर लेते हैं। कई बार शुरुआत में 200 या 500 रुपये देकर विश्वास भी जीत लेते हैं। लेकिन जैसे ही पीड़ित बड़ी रकम जमा करता है, संपर्क टूट जाता है या नए-नए शुल्क मांगे जाने लगते हैं।

याद रखिए, कोई भी वास्तविक कंपनी केवल वीडियो देखने, लाइक करने या सब्सक्राइब करने के बदले इतनी बड़ी कमाई का वादा नहीं करती। यदि कोई नौकरी या कमाई का अवसर पहले आपसे पैसा मांग रहा है, तो यह खतरे की घंटी है। डिजिटल दुनिया में सबसे बड़ा सुरक्षा कवच जागरूकता है। किसी भी ऑफर पर भरोसा करने से पहले उसकी जांच करें, जल्दबाजी न करें और परिवार के अन्य सदस्यों, विशेषकर बुजुर्गों और युवाओं को भी ऐसे साइबर जाल के बारे में जानकारी दें। थोड़ी-सी सावधानी आपकी मेहनत की कमाई और मानसिक शांति दोनों बचा सकती है।

अगर ठगी हो जाए तो क्या करें?

यदि आपके साथ ऑनलाइन धोखाधड़ी हो जाए तो घबराएं नहीं। सबसे पहले संबंधित बैंक या भुगतान सेवा को तुरंत सूचना देकर ट्रांजैक्शन रोकने का प्रयास करें। इसके बाद राष्ट्रीय साइबर अपराध हेल्पलाइन 1930 पर तुरंत शिकायत दर्ज कराएं। साथ ही राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल पर भी शिकायत करें। बैंक रसीद, चैट, स्क्रीनशॉट और मोबाइल नंबर जैसे सभी डिजिटल साक्ष्य सुरक्षित रखें। जितनी जल्दी शिकायत की जाएगी, पैसे वापस मिलने की संभावना उतनी अधिक हो सकती है। सबसे महत्वपूर्ण बात, ठगों के दोबारा फोन आने पर 'रिफंड' के नाम पर फिर से कोई भुगतान न करें।

बचाव के असरदार तरीके

'कम मेहनत, ज्यादा कमाई' वाले दावों पर कभी तुरंत भरोसा न करें। किसी भी ऑनलाइन काम के लिए पहले पैसा जमा करने से इनकार करें। केवल आधिकारिक वेबसाइट और सत्यापित कंपनी से ही नौकरी या काम स्वीकार करें। अनजान लिंक, ऐप या एपीके फाइल डाउनलोड न करें। ओटीपी, यूपीआई पिन, बैंक पासवर्ड या स्क्रीन शेयरिंग की अनुमति किसी को न दें। परिवार के बुजुर्गों और बच्चों को भी ऐसे साइबर फ्रॉड के बारे में जागरूक करें। किसी भी संदेह की स्थिति में पहले जांच करें, फिर निर्णय लें।

ऐसे चलता है साइबर फ्रॉड: फ्रॉड करने वाले पहले व्हाट्सऐप, टेलीग्राम या एसएमएस के जरिए संपर्क करते हैं। वे दावा करते हैं कि किसी बड़ी कंपनी की ओर से पार्ट-टाइम काम दिया जा रहा है। पहले एक-दो छोटे टास्क पूरे करवाकर 200 से 500 रुपये तक खाते में भेज देते हैं। इसके बाद कहते हैं कि अधिक कमाई के लिए 'प्रीमियम टास्क' लेना होगा, जिसके लिए पहले 5,000, 20,000 या उससे अधिक रुपये जमा करने होंगे। पैसा जमा होते ही या तो अकाउंट ब्लॉक कर दिया जाता है या नए शुल्क की मांग शुरू हो जाती है। अंत में पीड़ित की पूरी रकम डूब जाती है। भोपाल के एक निजी कर्मचारी को टेलीग्राम पर वीडियो लाइक करने का काम मिला। पहले दिन उसे 600 रुपये मिले, जिससे उसे लगा कि काम असली है। अगले दिन 'वीआईपी टास्क' के लिए 15,000 रुपये जमा करवाए गए और अधिक रिटर्न का वादा किया गया। बाद में 'टैक्स', 'वेरिफिकेशन' और 'अनलॉक फीस' के नाम पर कई बार और पैसे मांगे गए। कुल मिलाकर लगभग 1.8 लाख रुपये जमा कराने के बाद ग्रुप और संपर्क दोनों गायब हो गए। यह तरीका देशभर में हजारों लोगों के साथ अपनाया जा चुका है।

जीवन ज्योति

सकारात्मक जीवन : हर परिस्थिति में आशा का प्रकाश

रमेश भाई ओझा
आध्यात्मिक गुरु

सकारात्मक जीवन का अर्थ यह नहीं कि जीवन में कभी कठिनाइयाँ नहीं आएँगी या हर समय सब कुछ मनचाहा ही होगा। इसका वास्तविक अर्थ है–हर परिस्थिति में आशा, धैर्य और विश्वास बनाए रखते हुए आगे बढ़ना। सकारात्मक सोच व्यक्ति को समस्याओं से भागना नहीं सिखाती, बल्कि उनका समाधान खोजने की शक्ति देती है। यही सोच जीवन को सार्थक, संतुलित और आनंदमय बनाती है। आज का समय तेज़ गति, प्रतिस्पर्धा और निरंतर बदलती परिस्थितियों का है। ऐसे दौर में तनाव, निराशा और असफलताओं का सामना लगभग हर व्यक्ति करता है। अंतर केवल इतना होता है कि कोई व्यक्ति विपरीत परिस्थितियों के आगे हार मान लेता है, जबकि कोई उन्हीं परिस्थितियों को सीखने और आगे बढ़ने का अवसर बना लेता है। यही सकारात्मक दृष्टिकोण की पहचान है।

सकारात्मक जीवन की शुरुआत स्वयं से होती है। जब हम अपनी कमियों को स्वीकार करते हुए उन्हें सुधारने का प्रयास करते हैं, तब आत्मविश्वास बढ़ता है। दूसरों से तुलना करने के बजाय अपनी क्षमताओं को पहचानना और निरंतर बेहतर बनने का प्रयास करना ही वास्तविक प्रगति है। हर दिन कुछ नया सीखने का संकल्प व्यक्ति को मानसिक रूप से समृद्ध बनाता है। सकारात्मक सोच का एक महत्वपूर्ण आधार कृतज्ञता भी है। जीवन में जो कुछ मिला है, उसके प्रति आभार व्यक्त करने वाला व्यक्ति छोटी-छोटी खुशियों का भी आनंद लेना सीख जाता है। परिवार का साथ, मित्रों का विश्वास, स्वस्थ शरीर, सीखने के अवसर और प्रकृति का सान्निध्य– ये सब ऐसे उपहार हैं जिन्हें अक्सर हम सामान्य मानकर अनदेखा कर देते हैं। कृतज्ञता का भाव मन में संतोष और प्रसन्नता का संचार करता है।

सकारात्मक जीवन का अर्थ केवल स्वयं खुश रहना नहीं, बल्कि दूसरों के जीवन में भी आशा और प्रेरणा का संचार करना है। मधुर व्यवहार, सहयोग की भावना, क्षमा, संवेदनशीलता और सेवा का भाव समाज को बेहतर बनाते हैं। एक मुस्कान, एक प्रोत्साहन या समय पर किया गया छोटा-सा सहयोग भी किसी के जीवन में बड़ा परिवर्तन ला सकता है। असफलता भी सकारात्मक जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा है। जो व्यक्ति असफलता को अंत नहीं, बल्कि अनुभव मानता है, वही आगे चलकर बड़ी सफलता प्राप्त करता है। इतिहास गवाह है कि अनेक महान व्यक्तियों ने बार-बार असफल होने के बाद ही अपनी मंजिल हासिल की। इसलिए गिरना कमजोरी नहीं, बल्कि गिरकर फिर उठ खड़ा होना ही जीवन की सबसे बड़ी ताकत है। सकारात्मक जीवन के लिए स्वस्थ दिनचर्या, नियमित व्यायाम, संतुलित भोजन, अच्छी पुस्तकों का अध्ययन, प्रेरणादायक लोगों का साथ और आत्मचिंतन भी आवश्यक हैं। जब शरीर स्वस्थ और मन शांत रहता है, तब निर्णय बेहतर होते हैं और जीवन में उत्साह बना रहता है। अंततः सकारात्मक जीवन कोई एक दिन का संकल्प नहीं, बल्कि निरंतर अभ्यास है। हर सुबह नए विश्वास के साथ उठना, हर चुनौती को अवसर मानना, हर असफलता से सीखना और हर सफलता में विनम्र बने रहना–यही सकारात्मक जीवन की पहचान है। जो व्यक्ति आशा, परिश्रम और सद्भाव को अपना जीवन-मंत्र बना लेता है, उसके लिए कठिन से कठिन रास्ते भी सफलता की ओर बढ़ने का माध्यम बन जाते हैं। वास्तव में, सकारात्मक जीवन ही सुख, शांति और आत्मसंतोष की सबसे मजबूत नींव है।

सितारों की बात

सप्ताह का राशिफल दिनांक 19 से 25 जुलाई तक

पंडित विष्णु राजौरिया

मेष: राशि के जातकों को यह सप्ताह मिश्रित फल देने वाला होगा। प्रारंभिक समय में कुछ कठिनाई के बाद तृतीय दिवस से आपके कार्यों को करने में सफलता प्राप्त होगी, विशेष रूप से महिलाओं को इस सप्ताह में उत्तम सफलता मिलने के योग हैं।

वृषभ: राशि के जातकों को यह सप्ताह आगामी योजनाओं के अनुकूल वातावरण बनाने में सहायक सिद्ध होगा, भविष्य में होने वाले कार्यों में यह सप्ताह महत्वपूर्ण योगदान प्रदान कर सकता है, समय वध योजना से कार्य करने की आवश्यकता है। आर्थिक लेनदेन के प्रति सावधानी से कार्य करना आवश्यक है।

मिथुन: राशि के जातक आगामी सप्ताह में भवन भूमि संबंधित कार्यों में सफलता प्राप्त करेंगे ,रुका हुआ धन मिलने से आपके कार्यों की गतिशीलता बढ़ाने के संकेत मिल रहे हैं ,किसी मांगलिक कार्य की रूपरेखा बनने से भी आपके परिवार में प्रसन्नता का वातावरण बनेगा।

कर्क: राशि के जातक आगामी सप्ताह में सावधानी से कार्यों को करें, किसी भी गंभीर विषय के लिए बड़ों से अथवा अपने वरिष्ठ जनों से विशेषज्ञों से सलाह लेकर कार्य करें, नौकरी पेसा से संबंधित जातक कुछ कठिनाई का अनुभव करेंगे। अपने वरिष्ठ अधिकारियों से एवं अन्य उच्च संबंधित व्यक्तियों से किसी भी प्रकार के विवाद से बचने की आवश्यकता बनी हुई है।

सिंह: राशि के जातक आगामी सप्ताह में उत्तम सफलता प्राप्त कर सकते हैं। आर्थिक उन्नति होने से परिवार में सुखद वातावरण निर्मित होगा। शारीरिक दृष्टि से आगामी सप्ताह रोगी जातकों के लिए सफलता दायक होगा उनके रोगों का निवारण इस सप्ताह में हो जाएगा।

कन्या: राशि के जातकों को आगामी सप्ताह उत्साह वर्धन सिद्ध होगा, आगामी कार्यों की रूपरेखा बनने से तथा विशिष्ट जनों से संपर्क स्थापित होने से आपकी बढ़ाएं दूर होने के संकेत मिल रहे हैं। घर परिवार के मांगलिक कार्यों की जिम्मेदारी से करें, कार्य संपन्न होने जा रहा है। आर्थिक दृष्टि से यह सप्ताह अत्यंत अनुकूल रहेगा।

तुला: राशि व्यापार व्यवसाय में जुड़े जातकों को यह सप्ताह अत्यंत अनुकूल सिद्ध होगा, आपका व्यापार उत्तम गति से चलेगा ,आर्थिक लेन-देन बढ़ेगा और अपना डेरा पढ़ने से आपकी व्यापार में वृद्धिहोगी। स्वास्थ्य के प्रति कुछ सचेत रहने की आवश्यकता है, उदर विकार अधिक उम्र के जातकों को हड्डियों का दर्द दांतों का दर्द कठिनाई उत्पन्न कर सकता है।

वृश्चिक: राशि के जातक आगामी सप्ताह में उतार चढ़ाव की अधिकता से तकलीफ में आ सकते हैं। सावधानी से आर्थिक कार्यों को करने की आवश्यकता है, यात्रा में विशेष सावधानी रखें, नए कार्यों के प्रति वरिष्ठ जनों से सलाह लेकर निर्णय लेना होगा। निर्माण संबंधी कार्यों में गतिरोध उत्पन्न हो सकता है।

धनु: राशि के जातक आगामी सप्ताह में अपने कार्यों में सावधानी रखें, स्वास्थ्य यात्रा लेनदेन संबंधी कार्यों में आर्थिक हानि हो सकती है, अत: नए कार्यों को करने से बचें। परिवार की बुजुर्ग महिला के स्वास्थ्य के कारण चिंता का वातावरण रह सकता है, भूमि भवन संबंधी विवाद में सामंजस्य बनाकर कार्यों को करें।

मकर: राशि वाले जातकों को मिश्रित फल देने वाला है, आर्थिक निवेश शेयर ट्रेडिंग अथवा इंश्योरेंस जैसे क्षेत्र में आर्थिक वृद्धि होगी,लेकिन अन्य कार्यों में लगे जातक कठिनाई का अनुभव कर सकते हैं, व्यर्थ की भाग दौड़ ना करें, घर परिवार में सभी परिजनों के साथ बैठकर चर्चा कर किसी भी कार्य को अंतिम रूप देने का प्रयास करें।

कुंभ: राशि के जातक अपने सहयोगियों एवं परिजनों के माध्यम से उच्च सफलता प्राप्त करेंगे। विगत दिनों आपके द्वारा बनाई गई योजनाएं सका रूप लेने का समय रहेगा व्यापार व्यवसाय में उन्नति होगी, मान सम्मान और प्रतिष्ठा बढ़ेगी, उदर विकार के प्रति सचेत रहने की आवश्यकता बनी हुई है।

मीन: राशि के जातक आगामी सप्ताह में उत्तम सफलता प्राप्त करेंगे। साडेसाती शनि होने के बावजूद आप अपने कार्यों में सफलता प्राप्त करेंगे, लेकिन हड्डियों का दर्द अथवा नसों का दर्द आपको कष्ट दे सकता है, चोट चपेट से बचने की सदैव सावधानी रखें।

दिया कबीरा रोय

सुधीर नायक
यंग्यकार एवं ट्रेड यूनियन लीडर

उनका ख्वाब-सूखा तालाब...

ये तालाब को तालाब नहीं कहते,पानी कहते हैं,कीचड़ कहते हैं,दलदल कहते हैं।उन्हें भोपाल में बड़ी संभावनाएं नजर आतीं हैं पर उनका मानना है कि तालाब बहुत बड़ी बाधा है।मैंने कान पकड़ लिये।अब,मैं उन्हें तालाब वाले रास्ते से लेकर नहीं जाता।तालाब देखते ही वे चटक जाते हैं।उनका मूड खराब हो जाता है।दरअसल हर तालाब उनकी आंखों की किरकिरी है।हर तालाब उन्हें चुनौती देता नजर आता है।तालाब देखते ही उनके सीने पर एक अदृश्य सांप लोटने लगता है। हालत तब और खराब हो जाती है जब वे तालाब के किनारे बोट क्लब पर लोगों को मौज-मस्ती करते देखते हैं। वे बड़बड़ाते हैं-इतनी कीमती जमीन को पानी घेरकर बैठा है और इन भोपालियों का पागलपन देखो ये उस पानी को देख देखकर खुश होते हैं। कीचड़ पानी कोई खुश होने की चीज है भला? ये कभी नहीं सुधरेंगे। इसीलिए तो ये लोग इतने पिछड़े हुए हैं।ये कभी आगे नहीं बढ़ सकते। वे कल्पनाओं में खो जाते हैं।ये पानी सूख जाए तो कितनी बेहतरीन कालोनियां कटेंगी। रियल इस्टेट में एकदम उछाल आ जायेगा।वर्ल्ड क्लास प्रोजेक्ट आयेंगे।ये शहर दुबई को मात कर सकता है बस,इस तालाब से निजात पा ले।अरे तुम्हें तैरने की चुल उठेगी तो हम स्वीमिंगपूल बनवा देंगे।हम एक नहर बनवा देंगे उसमें नाव चलाने का शौक पूरा कर लेना। इस पानी ने सारा कबाड़ा कर रखा है।ये पानी भोपाल के डेवलपमेंट को रोके हुए है। नदी हो, झील हो,तालाब हो उसे वे पानी ही बोलते हैं।देखना ही पड़े तो वे तालाबों को गर्मियों में देखना पसंद करते हैं। बारिश के तालाब उन्हें नहीं सुहाते।सूखे हुए तालाब लुभावने लगते हैं।वे चहक उठते हैं। भरे हुए तालाबों को वे खा जाने वाली निगाहों से देखते हैं।

भोपाल वाले खुशकिस्मत हैं कि वे अगस्त्य ऋषि नहीं हैं। नहीं तो यकीनन वे बड़े तालाब को पी गये होते।उनका पेट खोलकर कभी देखिए न जाने कितने छोटे-मोटे ताल-तलैया, नदी-नाले उनके पेट में दिखेंगे जिन्हें वे पी चुके हैं।मुझे तो डर लगता है कि मरघट में जाकर वे अर्थी से उठ न बैठें।उठकर वे कहेंगे कि इतनी सारी जगह क्यों बेकार पड़ी है? दो चार शेड लायक जगह छोड़ दो।बाकी में श्मशान रिजार्ट क्यों नहीं बनवा देते।लोग ठहरेंगे और श्मशान का नजारा देखेंगे। अच्छा-खासा रेवेन्यू आ सकता है।

वायरल कंटेंट

सालों की सेवा के बाद केयरटेकर को छात्रों से मिला सम्मान तो छलक पड़े आंसू

स्कूल और कॉलेज सिर्फ पढ़ाई की जगह नहीं होते, बल्कि यहां ऐसे कई लोग भी होते हैं जो बिना किसी शोर-शराबे के हर दिन छात्रों की जिंदगी आसान बनाते हैं। कॉलेज के केयरटेकर, सिक्योरिटी गार्ड, चपरासी और दूसरे कर्मचारी हर दिन सुबह सबसे पहले कैंपस पहुंचते हैं और सबसे आखिर में घर लौटते हैं। बिना किसी उम्मीद के हर दिन अपनी जिम्मेदारी निभाते रहते हैं। कई बार छात्र अपनी पढ़ाई पूरी करके कॉलेज छोड़ देते हैं, लेकिन इन कर्मचारियों का अपनापन उन्हें हमेशा याद रहता है। सोशल मीडिया पर इन दिनों ऐसा ही एक भावुक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें केरल के कुछ डेंटल छात्रों ने अपने कॉलेज के केयरटेकर को ऐसा सरप्राइज दिया कि उनकी आंखों से खुशी के आंसू निकल पड़े।

दरअसल, वायरल हो रहे वीडियो में देखा जा सकता है कि कॉलेज के डेंटल स्टूडेंट्स अपने केयरटेकर के लिए एक खास सरप्राइज प्लान करते हैं। जैसे ही छात्र उन्हें उनकी ही तस्वीर वाली एक खूबसूरत फोटो फ्रेम भेंट करते हैं, वह अपनी भावनाओं पर काबू नहीं रख पाते। फोटो फ्रेम देखते ही उनकी आंखें नम हो जाती हैं। इसके बाद छात्र उन्हें गले लगाते हैं, उनका सम्मान करते हैं और उनके प्रति अपना आभार व्यक्त करते हैं। यह भावुक नजारा देखकर केयरटेकर की आंखों से खुशी के आंसू छलक पड़ते है। वहां मौजूद कई छात्र भी इस पल को देखकर भावुक हो जाते हैं।

सोशल मीडिया मिल रही तारीफ: इस वीडियो को @haripriya.hamesh नाम के इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर किया गया है। शेयर करते ही यह वीडियो वायरल हो गया। खबर लिखे जाने तक इसे 17 लाख से ज्यादा लोगों ने देख लिया है और लगभग 1.5 लाख से ज्यादा लोगों ने इसे लाइक भी किया है। इस वीडियो को देखने के बाद लाखों लोग भावुक हो रहे हैं। सोशल मीडिया यूजर्स का कहना है कि किसी भी संस्थान की असली ताकत सिर्फ शिक्षक नहीं, बल्कि वहां काम करने वाले हर कर्मचारी भी होते हैं। एक यूजर ने लिखा- 'ऐसे कर्मचारियों की वजह से ही कॉलेज परिवार जैसा लगता है।' दूसरे ने कहा- 'सम्मान का इससे खूबसूरत तरीका शायद ही कोई हो सकता है।' एक अन्य यूजर ने लिखा- 'महंगे गिफ्ट नहीं, बल्कि सच्चा सम्मान ही इंसान को सबसे ज्यादा खुशी देता है।' यह वीडियो सिर्फ एक सरप्राइज नहीं, बल्कि यह याद दिलाता है कि जिंदगी में सम्मान और आभार व्यक्त करना कितना जरूरी होता है। अक्सर हम उन लोगों को नजरअंदाज कर देते हैं जो हर दिन हमारी सुविधा के लिए काम करते हैं। लेकिन जब उनके काम और समर्पण की कद्र की जाती है, तो वही पल जिंदगी की सबसे खूबसूरत याद बन जाते हैं।

न्यूज विंडो

151 पौधों का रोपण कर पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

नर्मदापुरम। अमृत हरित महाअभियान के तहत रसूलिया स्थित नए एसडीएम कार्यालय परिसर में व्यापक पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव एवं मुख्य नगरपालिका अधिकारी वैभव देशमुख ने पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। अभियान के दौरान परिसर में कुल 151 पौधे लगाए गए। जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने पौधों के नियमित संरक्षण और देखभाल पर विशेष जोर देते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश भी दिए, ताकि लगाए गए पौधे भविष्य में विकसित होकर हरित वातावरण को बढ़ावा दे सकें। उपयंत्री रीना गुप्ता ने बताया कि अमृत हरित महाअभियान के अंतर्गत नगर के विभिन्न स्थानों पर पौधरोपण किया जा रहा है। कार्यक्रम में उपयंत्री आयुषी रिछारिया, सिटी मैनेजर दिव्या मिश्रा, स्व'छता निरीक्षक अनुराग तिवारी, गौरव वर्मा, भाजपा नेता रोहित गौर सहित नगर पालिका के अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

कालीपठार स्कूल में पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

गंजबासौदा। एक पेड़ मां के नाम अभियान एवं गुरु पूर्णिमा सप्ताह के अंतर्गत एकादशी के पावन अवसर पर शासकीय प्राथमिक शाला कालापठार में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती के पूजन एवं प्रार्थना के साथ हुई। इसके बाद विद्यालय की छात्राओं ने अतिथियों का तिलक लगाकर आत्मीय स्वागत किया। शाला प्रभारी पृथ्वी सिंह रघुवंशी ने बताया कि समाजसेवी राजू रघुवंशी (हतौड़ा) ने एक पौधा, शासकीय माध्यमिक शाला हतौड़ा की प्रभारी माधवी भाटिया ने एक पौधा तथा स्वयं शाला प्रभारी ने अपनी माताजी कपूरी बाई के नाम पर एक पौधा रोपित कर ÷एक पेड़ मां के नाम÷ अभियान को सार्थक रूप दिया। इस अवसर पर समाजसेवी राजू रघुवंशी ने विद्यालय की व्यवस्थाओं, शिक्षकों की कार्यशैली और विद्यार्थियों के अनुशासन, शिक्षा स्तर एवं संस्कारों की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार की सर्वसुविधायुक्त शासकीय शालाएं अन्य विद्यालयों के लिए प्रेरणास्रोत हैं। उन्होंने कहा कि यदि सभी सरकारी विद्यालय इसी प्रकार कार्य करें तो विद्यार्थियों का भविष्य और अधिक उज्ज्वल होगा।

हनुमान चालीसा पाठ कर दिया लोगों को नशा मुक्ति का संदेश

गंजबासौदा। हिन्दू चेतना सेवा समिति मंडल द्वारा संचालित नशा मुक्त भारत अभियान एवं युवाओं को धर्म और आध्यात्म से जोड़ने के उद्देश्य से चल रहे विशेष अभियान के तहत शनिवार को थाना परिसर स्थित श्री हनुमान मंदिर में हनुमान चालीसा पाठ का 139वां चरण श्रद्धा और उत्साह के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान श्री हनुमान जी के विधिवत पूजन-अर्चन से किया गया। इसके बाद श्रद्धालुओं ने सामूहिक रूप से सात बार संगीतमय श्री हनुमान चालीसा का पाठ किया। इस दौरान मंदिर एवं थाना परिसर जय श्रीराम और जय हनुमान के जयघोषों से गुंजायमान हो उठा तथा पूरा वातावरण भक्तिमय बन गया। कार्यक्रम में अर्णव रघुवंशी ने ,पापा मेरे पापा शराब मत पीना, शीर्षक प्रेरणादायक कविता प्रस्तुत कर नशे के दुष्परिणामों से अवगत कराया और युवाओं सहित सभी उपस्थितजनों को नशामुक्त जीवन अपनाने का संदेश दिया। उनकी प्रस्तुति ने सभी को भावुक करते हुए समाज को नशे से मुक्त बनाने का संकल्प लेने के लिए प्रेरित किया।

जमीन विवाद: पंचायत सचिव और परिवार पर किसान से मारपीट का आरोप

शहडोल। जिले के जैतपुर थाना क्षेत्र के टिकुरी गांव में जमीन विवाद को लेकर खूनी संघर्ष का मामला सामने आया है। पीड़ित परिवार ने खोडरी पंचायत के सचिव पुरन लाल साहू, उनकी पत्नी और पुत्र पर लाठी-डंडों से हमला करने का आरोप लगाया है। घटना में किसान सतेंद्र सिंह बरगाही और उनके पुत्र घायल हुए हैं, जबकि सतेंद्र को गंभीर चोट लगने पर जैतपुर अस्पताल से शहडोल रेफर किया गया है। जानकारी के अनुसार रसमोहनी निवासी सतेंद्र सिंह बरगाही की टिकुरी गांव में स्थित भूमि को लेकर विवाद चल रहा है। आरोप है कि पंचायत सचिव पुरान लाल साहू खेत पर पहुंचे और फसल के बीच ट्रैक्टर का इंजन खड़ा कर दिया। सतेंद्र ने इसका विरोध किया तो सचिव, उनकी पत्नी और पुत्र ने मिलकर लाठी-डंडों से मारपीट शुरू कर दी। जानकारी के बाद सतेंद्र की पत्नी और पुत्र रोहित मौके पर पहुंचे तो उनके साथ भी मारपीट की गई। घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। सूचना मिलने पर डायल-112 की मदद से घायलों को जैतपुर अस्पताल पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद सतेंद्र की गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें शहडोल जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। पीड़ित के पुत्र रोहित ने आरोप लगाया कि घटना की जानकारी देने जैतपुर थाने पहुंचने पर पुलिस ने तत्काल एफआईआर दर्ज नहीं की और इलाज कराने की बात कहकर लौटा दिया। उनका आरोप है कि आरोपी पंचायत सचिव होने के कारण पुलिस ने उनकी शिकायत पर तुरंत कार्रवाई नहीं की।

एक दर्दनाक सड़क हादसे में 3 साल के मासूम की हो गई मौत

कहा था... घुमाने ले चलो दादा', घर से 5 किमी. दूर सबको रूला गया देवांश

भिंड। दोपहर मेट्रो

शहर में एक घर में उस समय कोहराम मच गया जब 3 साल के देवांश की मौत की खबर घर पहुंची। दादा के साथ बाजार घूमने गया देवांश वापस घर नहीं लौट पाया। गुटखा थूकने के लिए कार ड्राइवर का गेट खोलना एक घर का मासूम चिराग ले गया। कार

चालक की लापरवाही ने तीन साल के मासूम की जान ले ली। बता दें कि चलती कार सवार ने अचानक दरवाजा खोला और बाइक पर दादा के साथ बैठा 3 साल का देवांश यादव उछलकर सड़क पर जा गिरा। तभी भिंड की ओर से आ रहे ट्रक ने रौंद दिया। भाजपा जिलाध्यक्ष महिला मोर्चा भिंड लिखी कार पुलिस ने जब्त कर ली है।

ये है पूरा मामला: फूप थाना क्षेत्र के कनकूरा गांव निवासी 3 साल का देवांश यादव घूमने की जिद करने पर अपने दादा सुनील यादव के साथ बाइक पर बैठकर भिंड के गोविंद नगर स्थित बाजार गया था।

दोनों मार्केट से घर लौट रहे थे। मार्केट घर से लगभग 5 किलोमीटर दूर है। इसी दौरान जब उनकी बाइक कुंवारी नदी पुल के पास पहुंची तब वे ब्रेजा कार को ओवरटेक कर रहे थे। बताया जा रहा है कि कार पूर्व बीजेपी महिला मोर्चा की जिलाध्यक्ष सीमा शर्मा की थी। कार के चालक ने अचानक गेट खोल दिया। कार का गेट खुलते ही पीछे आ रही बाइक का संतुलन बिगड़ गया और मासूम देवांश सड़क पर जा गिरा। इससे पहले कि आसपास के लोग देवांश को संभालते पीछे से आ रहे तेज रफ्तार और अनियंत्रित डंपर ने उसे अपनी चपेट में ले लिया। डंपर के पहिए के नीचे आने से मासूम की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। हादसे में दादा सुनील यादव भी घायल हुए हैं।

लोगों ने लगाया जाम

मासूम की मौत की खबर फैलते ही आसापास के ग्रामीणों नें जाम लगा दिया। सड़क पर हंगामा शुरू कर दिया। इसी दौरान घटनास्थल का वीडियो बना रहे एक युवक को लोगों ने पकड़ लिया और उसके साथ जमकर मारपीट कर दी। युवक गंभीर रूप से घायल हो गया और भीड़ ने उसका मोबाइल फोन भी छीन लिया। घटना के समय बीजेपी महिला मोर्चा की पूर्व जिलाध्यक्ष कार में सवार नहीं थीं। पुलिस इस पहलू की भी जांच कर रही है।

घर में मचा कोहराम

देवांश की मौत की खबर सुनते ही घर में कोहराम मच गया। देवांश के मम्मी-पापा का रो-रोकर बुरा है। देवांश के पिता दुर्गेश यादव ट्रक ड्राइवर हैं। परिवार के मुताबिक, देवांश उनका इकलौता बेटा था। सभी उसे बहुत चाहते थे लेकिन उसकी मौत की खबर नें सबको झकझोर दिया है।

पचमढ़ी मानसून मैराथन में दौड़े 1600 से ज्यादा धावक रन फॉर टाइगर और प्लास्टिक फ्री पचमढ़ी का दिया संदेश

नर्मदापुरम /पचमढ़ी। दोपहर मेट्रो

सतपुड़ा की हरियाली, मानसून की फुहारों और धुंध से घिरी वादियों के बीच आयोजित 8वीं पचमढ़ी मानसून मैराथन-2026 में देश-विदेश के 1600 से अधिक धावकों ने भाग लिया। चार श्रेणियों में आयोजित मैराथन का शुभारंभ नर्मदापुरम सांसद दर्शन सिंह चौधरी ने मध्य प्रदेश टूरिज्म बोर्ड के ज्वाइंट डायरेक्टर डॉ. संतोष कुमार श्रीवास्तव के साथ फ्लैग ऑफ कर किया।

मध्य प्रदेश पर्यटन विभाग, जिला प्रशासन और एडवेंचर्स एंड यू के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस मैराथन में 42, 21, 10 और 5 किलोमीटर की दौड़ कराई गई। आयोजन में 84 वर्ष के बुजुर्ग से लेकर 4 वर्ष के बच्चों तक ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। खास बात यह रही कि धावक रन फॉर टाइगर और प्लास्टिक फ्री पचमढ़ी का संदेश लेकर दौड़े तथा फिट इंडिया अभियान के प्रति लोगों को जागरूक किया। 42 किलोमीटर की फुल मैराथन सबसे चुनौतीपूर्ण रही, जिसमें धावकों ने पहाड़ी रास्तों, चढ़ाई और उतार-चढ़ाव के बीच अपनी फिटनेस

और धैर्य का प्रदर्शन किया। वहीं 21 किलोमीटर हाफ मैराथन, 10 किलोमीटर रन और 5 किलोमीटर फन रन में भी बड़ी संख्या में प्रतिभागी शामिल हुए। आयोजन में सतपुड़ा टाइगर रिजर्व की क्षेत्र संचालक राखी नंदा ने भी 5 किलोमीटर दौड़ में भाग लेकर वन्यजीव संरक्षण का संदेश दिया। मैराथन में मंगोलिया, स्वीडन, पेरू और अमेरिका सहित विभिन्न देशों के धावकों की मौजूदगी ने आयोजन को अंतरराष्ट्रीय स्वरूप प्रदान किया। प्रतिभागियों की सुरक्षा को देखते हुए पूरे रूट पर हाइड्रेशन पॉइंट, मेडिकल टीम, एम्बुलेंस और गाइडेंस सिस्टम की विशेष व्यवस्था की गई थी। एडवेंचर्स एंड यू के डायरेक्टर मितेश रामिया ने बताया कि आयोजन का उद्देश्य फिटनेस के साथ प्रकृति संरक्षण और साहसिक पर्यटन को बढ़ावा देना है। उल्लेखनीय है कि हाल ही में पचमढ़ी को आईटीबी बर्लिन-2026 में ग्रीन डेस्टिनेशंस ब्रॉन्ज अवॉर्ड से सम्मानित किया गया है। ऐसे में मानसून मैराथन ने पर्यटन, पर्यावरण संरक्षण और स्वस्थ जीवनशैली के संदेश को एक साथ आगे बढ़ाने का काम किया।

बीमारी से परेशान पूर्व पार्षद के बेटे ने लगाई फांसी

हरदा। दोपहर मेट्रो

शहर के वार्ड नंबर- 30 से भाजपा के पूर्व पार्षद धर्मेंद्र माली के 19 वर्षीय बेटे तरुण माली ने बीती रात अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। बेटे की मौत की खबर घर वालों को रविवार सुबह उस समय लगी, जब काफी देर बीत जने के बाद भी बेटा कमरे से बाहर नही आया। घर वालों ने जब उसके कमरे में जाकर देखा तो वो फांसी के फंदे पर लटका हुआ था। परिवार द्वारा घटना की जानकारी तत्काल पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को फंदे से उतारकर पंचनामा किया। साथ ही, शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल पहुंचा दिया। फिलहाल, पोस्टमार्टम के बाद शव परिजन के सुपुर्द भी कर दिया गया है। मृतक के पिता और पूर्व भाजपा पार्षद धर्मेंद्र माली ने बताया कि करीब डेढ़ साल पहले तरुण कोमा में चला गया था। इसके बाद से वो बार - बार दौरे पड़ने की समस्या से परेशान रहने लगा था। अपनी इस बीमारी के चलते उसने लंबे समय से घर से निकलना तक छोड़ दिया था।

टाइगर प्रोटेक्शन फोर्स को मिला विशेष प्रशिक्षण, गश्त पर दिया जोर

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

सतपुड़ा टाइगर रिजर्व में बाघों एवं अन्य वन्यजीवों की सुरक्षा को और अधिक मजबूत बनाने के उद्देश्य से टाइगर प्रोटेक्शन फोर्स (टीपीएफ) के जवानों को विशेष क्षमता संवर्धन प्रशिक्षण दिया गया। यह प्रशिक्षण ईको सेंटर मटकुली में आयोजित किया गया।सहायक संचालक आशीष खोबरागडे ने बताया कि प्रशिक्षण में सतपुड़ा टाइगर रिजर्व के चारों उपवनमंडलों में कार्यरत टाइगर प्रोटेक्शन फोर्स के 24 सदस्यों ने भाग लिया। इस दौरान उन्हें संवेदनशील क्षेत्रों में प्रभावी एवं रणनीतिक गश्त, वन अपराधों की रोकथाम, संदिग्ध गतिविधियों पर त्वरित कार्रवाई तथा वन्यजीव संरक्षण से जुड़े विभिन्न पहलुओं की जानकारी दी गई। प्रशिक्षण के दौरान टीपीएफ सदस्यों को कैमरा ट्रैप लगाने की तकनीक और गश्ती के दौरान एम-स्ट्राइप्स ऐप के प्रभावी उपयोग का व्यावहारिक प्रशिक्षण भी दिया गया। एसटीआर फील्ड डायरेक्टर राखी नंदा, डिप्टी डायरेक्टर ऋषिभा नेताम ने बताया कि आधुनिक तकनीकों के बेहतर उपयोग से वन क्षेत्रों की निगरानी अधिक सटीक और प्रभावी हो सकेगी। वन विभाग के अनुसार प्रशिक्षण का उद्देश्य टाइगर प्रोटेक्शन फोर्स की कार्यकुशलता बढ़ाकर सतपुड़ा टाइगर रिजर्व के संवेदनशील क्षेत्रों में निगरानी व्यवस्था को और मजबूत बनाना है। प्रशिक्षित दल की नियमित एवं प्रभावी गश्त से वन अपराधों पर अंकुश लगाने के साथ-साथ बाघों एवं अन्य वन्यजीवों की सुरक्षा को भी और अधिक सुदृढ़ किया जा सकेगा।

विद्यार्थियों ने जागरूकता रैली निकालकर लोगों को दिया नशे से दूर रहने का संदेश

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

प्रदेश सरकार के नशे से दूरी है जरूरी 2.0 जन-जागृति अभियान के तहत सेमरी हरचंद स्थित शासकीय कन्या उमावि एवं शासकीय बालक उमावि में खेल एवं युवा कल्याण विभाग, पुलिस विभाग, शिक्षा विभाग तथा ग्राम पंचायत के संयुक्त तत्वावधान में नशा मुक्ति जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने मानव श्रृंखला बनाकर नशामुक्त समाज का संदेश दिया तथा जागरूकता रैली निकालकर ग्रामीणों को नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक किया।

शासकीय कन्या उमावि की छात्राओं ने किसी भी प्रकार का नशा न करने की सामूहिक शपथ ली। इस अवसर पर चौकी प्रभारी एसआई विवेक यादव ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि यदि परिवार या आसपास का कोई व्यक्ति

नशे की लत का शिकार है तो उसे नशा छोड़ने के लिए प्रेरित करें। उन्होंने कहा कि नशा केवल व्यक्ति को ही नहीं, बल्कि पूरे परिवार को शारीरिक, मानसिक और आर्थिक रूप से प्रभावित करता है। कई परिवार नशे के कारण बर्बाद हो जाते हैं, इसलिए सभी को नशे से दूर रहकर समाज में जागरूकता फैलाने की जिम्मेदारी निभानी चाहिए। इधर शासकीय बालक उमावि के विद्यार्थियों ने भी सामूहिक शपथ लेने के बाद विद्यालय परिसर से पीपल चौक तक जनजागरूकता रैली निकाली। रैली में विद्यार्थियों ने नशे के विरोध में नारे लगाते हुए लोगों से नशामुक्त जीवन अपनाने की अपील की। कार्यक्रम में चौकी प्रभारी एसआई विवेक यादव, जिला समन्वयक खेल एवं युवा कल्याण विभाग चंदा मिश्रा, प्रभारी प्राचार्य संतोष ठाकुर, प्रभारी प्राचार्य शीला चौधरी, राखी सराठे, प्रेरक अजय सिंह, एएसआई अशोक सातनकर, आरक्षक सेवक अहिरवार सहित शिक्षक-शिक्षिकाएं, छात्र-छात्राएं एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

मेट्रो एंकर भगवान श्रीजगन्नाथ स्वामी के रथ महोत्सव का दिखा अलौकिक और ऐतिहासिक दृश्य

757 व्यंजनों का महाभोग समर्पण, महाप्रभु के चरणों में उमड़ी आस्था

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

श्री नौलखी मंदिर में भगवान श्रीजगन्नाथ स्वामी के रथ महोत्सव के दौरान ऐसा अलौकिक और ऐतिहासिक दृश्य देखने को मिला, जिसने हर श्रद्धालु को भाव-विभोर कर दिया। श्री सीताराम संकीर्तन मंडल ने भगवान को 551 प्रकार के व्यंजनों का महाभोग अर्पित करने का संकल्प लिया था, लेकिन भक्तों की अपार श्रद्धा और समर्पण ने इस संकल्प को भी पीछे छोड़ दिया। शहर और आसपास के गांवों से श्रद्धालु अपने घरों में प्रेमपूर्वक तैयार किए गए पकवान लेकर पहुंचे और देखते ही देखते भगवान के श्रीचरणों में 757 प्रकार के व्यंजनों का दिव्य महाभोग सज गया। महाभोग के दर्शन के लिए मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं का ऐसा सैलाब उमड़ा कि परिसर पूरी तरह भर गया। महिलाओं, पुरुषों, बच्चों और बुजुर्गों की लंबी कतारें देर रात तक लगी रहीं। हर कोई महाप्रभु के दर्शन और महाप्रसाद प्राप्त करने के लिए उत्साहित दिखाई दिया। महाभोग से पूर्व श्री सीताराम संकीर्तन मंडल ने भावपूर्ण हरिनाम संकीर्तन किया, जबकि मांगरोद की प्रसिद्ध भजन मंडली ने देर रात तक भक्ति रस से सराबोर भजनों की प्रस्तुति देकर वातावरण को

भक्तिमय बनाए रखा। मंदिर परिसर, महाप्रभु की पर्णकुटी, सिद्ध संत बाबा जगन्नाथदास जी की गादी एवं समाधि को रजनीगंधा, मोगरा और देसी गुलाब के हजारों फूलों से सजाया गया, जिसकी सुगंध पूरे परिसर में फैल गई। इस अवसर पर विधायक हरिसिंह रघुवंशी ने भगवान श्रीजगन्नाथ के दर्शन कर पूजा-अर्चना की तथा स्वयं श्रद्धालुओं को महाप्रसाद वितरित किया।

महाभोग उत्सव की सबसे बड़ी विशेषता सामाजिक समरसता रही। महाप्रभु के श्रीचरणों में न कोई जाति थी, न ऊंच-नीच,न अमीर-गरीब का भेद। हर भक्त अपने घर से प्रेमपूर्वक तैयार प्रसादी लेकर पहुंचा। किसी ने मिठाई अर्पित की, किसी ने नमकीन, किसी ने फल तो किसी ने पारंपरिक व्यंजन। अंत में सभी भोगों को एक साथ मिलाकर महाप्रसाद के रूप में हजारों श्रद्धालुओं में समान भाव से वितरित किया गया। यही भगवान श्रीजगन्नाथ की परंपरा का सबसे बड़ा संदेश भी है। नौलखी खालसा के श्रीमहंत राम मनोहर दास जी महाराज ने कहा कि भगवान श्रीजगन्नाथ का महाप्रसाद केवल अन्न नहीं, बल्कि समरसता और समानता का प्रतीक है। महाप्रभु के दरबार में केवल श्रद्धा का महत्व होता है, व्यक्ति की पहचान या सामाजिक स्थिति का नहीं। नगर भ्रमण के बाद दस दिनों तक मौसी के घर विराजमान भगवान श्रीजगन्नाथ रविवार को भव्य रथयात्रा के साथ वेत्रवती घाट स्थित श्री नौलखी तपोवन आश्रम लौटेंगे। दोपहर 12 बजे मनीष ओंकार प्रसाद पाठक परिवार की ओर से 96 प्रकार के व्यंजनों का विशेष राजभोग अर्पित किया जाएगा। इसके बाद शाम 4 बजे भगवान श्रीजगन्नाथ भव्य रथ पर आरूढ़ होकर स्टेशन रोड स्थित श्री नौलखी मंदिर से अपने धाम के लिए प्रस्थान करेंगे। पूरे मार्ग में श्रद्धालु पुष्पवर्षा, आरती और हरिनाम संकीर्तन के साथ महाप्रभु का स्वागत करेंगे। जय जगन्नाथ के उद्घोषों के बीच यह घर वापसी यात्रा श्रद्धा, भक्ति और उत्साह का अनुपम संगम बनेगी।

न्यूज विंडो

गर्भवती महिलाओं की निःशुल्क स्वास्थ्य जांच, पोषण के प्रति किया जागरूक

तेंदूखेड़ा। प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के अंतर्गत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में गर्भवती महिलाओं के लिए विशेष स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में गर्भवती महिलाओं की संपूर्ण स्वास्थ्य जांच निःशुल्क की गई तथा सुरक्षित मातृत्व और पोषण संबंधी आवश्यक जानकारी भी प्रदान की गई। कार्यक्रम के दौरान चिकित्सक डॉ. गरिमा सिंह एवं स्टाफ नर्स प्रियंका गायकवाड़ ने गर्भवती महिलाओं का स्वास्थ्य परीक्षण किया। विशेष रूप से हाई रिस्क गर्भवती महिलाओं की पहचान कर उनका विस्तृत परीक्षण किया गया तथा आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श और नियमित जांच कराने की सलाह दी गई। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने बताया कि समय पर जांच और उचित देखभाल से गर्भावस्था के दौरान होने वाली जटिलताओं को काफी हद तक रोका जा सकता है। शिविर में उपस्थित सभी गर्भवती महिलाओं को पौष्टिक आहार के महत्व को ध्यान में रखते हुए खिचड़ी का वितरण भी किया गया। इस अवसर पर महिला एवं बाल विकास विभाग की आंगनवाड़ी सुपरवाइजर विमला लोधी एवं उनकी टीम ने गर्भवती महिलाओं को संतुलित एवं पौष्टिक आहार के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

भारत निर्वाचन आयोग और राज्य निर्वाचन आयोग की सूची में 8875 मतदाताओं का अंतर

बीना. विधानसभा क्षेत्र में भारत निर्वाचन आयोग द्वारा कराए गए एसआईआर के बाद जारी हुई सूची और मध्यप्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग की मतदाता सूचियों में हजारों मतदाताओं का अंतर सामने आया है। कांग्रेस ने तहसीलदार डॉ. अंबर पंथी को ज्ञापन सौंपकर मतदाता सूचियों का नामवार और डिजिटल मिलान कराने व वास्तविक मतदाता संख्या सार्वजनिक करने की मांग की गई है। कांग्रेस विधानसभा सह-प्रभारी महेंद्र कुमार नवैया के नेतृत्व में एसआईआर के दौरान मतदाता सूचियों का बूथवार, क्षेत्रवार एवं संख्यात्मक अध्ययन किया गया। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2025 में भारत निर्वाचन आयोग की मतदाता सूची में विधानसभा में कुल 1 लाख 91 हजार 309 मतदाता दर्ज थे। एसआईआर के बाद जारी सूची में पुरुष मतदाताओं की संख्या घटकर 93,861 तथा महिला मतदाताओं की संख्या 83 हजार 449 रह गई और कुल मतदाता संख्या घटकर 1 लाख 77 हजार 310 हो गई। वर्ष 2025 की सूची की और एसआईआर के बाद विधानसभा क्षेत्र में कुल 13 हजार 999 मतदाता कम हुए हैं। दूसरी ओर राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा जारी नवीन मतदाता सूची में 97 हजार 434 पुरुष, 88 हजार 747 महिला तथा 4 अन्य मतदाता सहित कुल 1 लाख 86 हजार 185 मतदाता दर्शाए गए हैं। इस प्रकार भारत निर्वाचन आयोग की एसआईआर के बाद जारी सूची और राज्य निर्वाचन आयोग की नवीन सूची के बीच ही कुल 8 हजार 875 मतदाताओं का अंतर सामने आ रहा है। इस अंतर की जांच की मांग की गई है। सूची के सत्यापन कार्य में मप्र पिछड़ा वर्ग कांग्रेस के स्टेट कोऑर्डिनेटर देवेंद्र कुशवाहा और एड. उमा महेंद्र कुमार नवैया का भी सहयोग रहा।

गौरैया नदी लबालब, स्नान और जलक्रीड़ा के लिए उमड़ रहे लोग

तेंदूखेड़ा। लगातार हो रही बारिश के बाद नगर की गौरैया नदी इन दिनों पानी से लबालब है। नदी में पर्याप्त जलभराव होने से यहां सुबह से ही लोगों की चहल-पहल देखने को मिल रही है। बच्चे, युवा, बुजुर्ग और महिलाएं बड़ी संख्या में नदी पहुंचकर स्नान का आनंद ले रहे हैं। कई श्रद्धालु स्नान के बाद नदी तट पर स्थित मां देवी के मंदिर में पूजा-अर्चना कर सुख-समृद्धि की कामना भी कर रहे हैं। गौरैया नदी इन दिनों नगरवासियों के लिए आकर्षण का प्रमुख केंद्र बनी हुई है। सुबह के समय बड़ी संख्या में लोग परिवार के साथ नदी पहुंच रहे हैं। नदी के स्वच्छ और बहते पानी में स्नान करने के बाद श्रद्धालु धार्मिक परंपरा का निर्वहन करते हुए देवी मंदिर में दर्शन कर रहे हैं, जिससे पूरे क्षेत्र में आस्था और उत्साह का वातावरण बना हुआ है। नदी में छोटे-छोटे बच्चों का उत्साह भी देखने लायक है। कई बच्चे करीब 10 फुट ऊंचाई से पानी में छलांग लगाकर जलक्रीड़ा का आनंद लेते नजर आते हैं। उनकी सुरक्षा के लिए आसपास बड़े लोग भी मौजूद रहते हैं और लगातार उन पर निगरानी बनाए रखते हैं। वर्तमान में नदी के इस हिस्से में पानी की गहराई अपेक्षाकृत कम होने के कारण किसी प्रकार की गंभीर स्थिति सामने नहीं आई है। हालांकि, बारिश का मौसम होने के कारण नदी के जलस्तर में कभी भी बदलाव हो सकता है। ऐसे में अभिभावकों और स्थानीय लोगों का कहना है कि बच्चों को जलक्रीड़ा के दौरान सावधानी बरतनी चाहिए तथा बिना निगरानी के नदी में नहीं उतरना चाहिए। प्राकृतिक सौंदर्य, धार्मिक आस्था और बारिश के मौसम का आनंद लेने के लिए इन दिनों गौरैया नदी नगरवासियों का पसंदीदा स्थल बनी हुई है।

रागिनी की सांसें थमीं तो जागा सिस्टम, पीथमपुर में फूटा जनाक्रोश

धार। 17 वर्षीय रागिनी पासी की मौत ने मध्य प्रदेश के धार जिले के पीथमपुर में जनाक्रोश की ऐसी चिंगारी भड़काई कि एक वाहन कंपनी की सात स्टाफ बसें तीन घंटे तक बंधक बनी रहीं। परिजन, समाजजनों और स्थानीय रहवासियों का गुस्सा सिर्फ एक हादसे पर नहीं था, बल्कि उस व्यवस्था पर था जो अक्सर किसी की जान जाने के बाद ही जागती है। प्रदर्शनकारियों का आरोप रहा कि, सूचना देने के बावजूद प्रशासन करीब दो घंटे तक मौके पर नहीं पहुंचा, जिससे लोगों का आक्रोश और बढ़ गया। जैसे ही कंपनी की स्टाफ बसें उत्कर्ष पैराडाइज कॉलोनी में कर्मचारियों को लेने पहुंचीं, पहले से मौजूद लोगों ने उन्हें रोक लिया। प्रदर्शनकारियों ने कर्मचारियों से कहा कि उनका विरोध कंपनी के कर्मचारियों से नहीं, बल्कि लापरवाही से है। कर्मचारी दूसरे साधनों से जा सकते हैं, लेकिन जब तक उनकी मांगों पर ठोस निर्णय नहीं होगा, बसें नहीं चलेंगी। करीब सात स्टाफ बसें मौके पर खड़ी रहीं और प्रदर्शन लगातार चलता रहा। कुछ समय के लिए सड़क जाम की स्थिति भी बनी, जिससे यातायात प्रभावित हुआ। मौके पर बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक जुट गए। करनी सेना के जिला अध्यक्ष शिवपाल सिंह गौड़ और भीम सेना के प्रमुख डॉ. हेमंत हीरोले भी प्रदर्शन में पहुंचे और पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने की मांग का समर्थन किया। करीब दो घंटे बाद तहसीलदार सत्येंद्र गुर्जर, पुलिस अधिकारी और प्रशासनिक अमला मौके पर पहुंचा। कंपनी प्रबंधन के प्रतिनिधियों को बुलाकर प्रशासन की मौजूदगी में लंबी वार्ता हुई।

स्पा सेंटर में आधी रात हंगामा: युवतियों ने डायल-112 पर कॉल कर बुलाई थी पुलिस

ताला तोड़कर युवतियों को निकाला बाहर, संचालक और मैनेजर पर अभद्रता करने का लगाया आरोप

सतना। दोपहर मेट्रो

शहर में आधी रात को एक स्पा सेंटर में जमकर हंगामा हुआ। घटना सतना शहर के सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र की है जहां खजुरी टोला में संचालित स्पा सेंटर में आधी रात को विवाद की स्थिति बन गई। स्पा सेंटर में कैद युवतियों ने डायल-112 पर कॉल कर पुलिस को बुलाया और इसके बाद जब पुलिस पहुंची तो स्पा सेंटर के अंदर युवतियां मौजूद थीं जबकि बाहर के चैनल गेट में ताला डला हुआ था। पुलिस ने ताला तोड़ा और युवतियों को बाहर निकाला।

पुलिस के अनुसार डायल-112 पर सूचना मिली थी कि खजुरी टोला में संचालित स्पा सेंटर में काम करने वाली कुछ युवतियां संचालक और मैनेजर के व्यवहार से परेशान हैं तथा वहां विवाद की स्थिति बनी हुई है। इतना ही नहीं युवतियों को स्पा सेंटर में बंधक बना लिया गया है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची और पूरे घटनाक्रम की जानकारी जुटाई। मौके पर पहुंची पुलिस ने देखा कि स्पा सेंटर के भीतर युवतियां मौजूद थीं, जबकि बाहर निकलने वाला चैनल गेट बंद था। पूछताछ में युवतियों ने बताया कि गेट की चाबी मैनेजर के पास है।

पुलिस ने तोड़ा गेट का ताला

काफी प्रयास के बाद गेट नहीं खुला तो पुलिस की मौजूदगी में गेट का ताला तुड़वा सभी को बाहर निकाला गया। असम की रहने वाली हैं स्पा कर्मी पुलिस पूछताछ में युवतियों ने बताया कि वे असम की रहने वाली हैं और इसी स्पा सेंटर में कार्यरत हैं। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने संचालक को मौके पर बुलाया। इसके बाद संचालक, मैनेजर और युवतियों से अलग- अलग बातचीत कर पूरे घटनाक्रम की जानकारी ली गई।

शिकायत नहीं, समझाइश के बाद मामला शांत

स्पा सेंटर में कार्यरत युवतियों ने संचालक और मैनेजर पर अभद्र व्यवहार एवं मानसिक रूप से प्रताड़ित करने के आरोप लगाए हैं। हालांकि, किसी भी पक्ष की ओर से लिखित शिकायत नहीं दिए जाने के कारण पुलिस ने समझाइश देकर मामला शांत करा दिया। सिटी कोतवाली थाना प्रभारी रावेन्द्र द्विवेदी ने बताया कि पुलिस ने मौके पर पहुंचकर सभी पक्षों से पूछताछ की, लेकिन किसी भी युवती ने लिखित शिकायत देने से इनकार कर दिया। शिकायत नहीं मिलने के कारण समझाइश देकर मामला शांत करा दिया गया।

बिस्तर की रजाई में छिपा था सांप, युवक के छूटे पसीने

सागर। दोपहर मेट्रो

सागर में मोतीनगर थाना क्षेत्र की तिवारी गली में उस समय हड़कंप मच गया, जब किराए के मकान में रहने वाले एडिना कॉलेज के छात्रों के कमरे में रखी रजाई में सांप नजर आया। रजाई में छिपे करीब 5 फीट लंबे सांप को देखकर छात्र घबरा गए और तुरंत कमरे से बाहर निकले। छात्रों ने तुरंत आस-पड़ोस में रहने वाले लोगों को कमरे में रजाई में सांप के छिपे होने के बारे में बताया। इसके बाद स्नेक कैचर बबलू पवार को सूचना दी गई। रजाई में सांप होने की सूचना मिलते ही कुछ देर में स्नेक कैचर बबलू पवार अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने कमरे में जाकर देखा तो सांप रजाई में अंदर छिपा हुआ था। सावधानीपूर्वक रजाई को हटाकर स्नेक कैचर बबलू ने सांप को पकड़ने का प्रयास शुरू किया। करीब 20 मिनट की मशक्कत के बाद स्नेक कैचर बबलू ने करीब पांच फीट लंबे सांप का सफलतापूर्वक रेस्क्यू किया। सांप के पकड़े जाने के बाद छात्रों ने राहत की सांस ली। पकड़े गए सांप को स्नेक कैचर अपने साथ ले गए और सुरक्षित स्थान पर ले जाकर छोड़ दिया।

बालाघाट में दिनदहाड़े रिटायर्ड शिक्षक दंपती को बंधक बनाकर करीब आठ लाख की लूट

बालाघाट। दोपहर मेट्रो

जिले में बदमाशों ने दिनदहाड़े बड़ी लूट की घटना को अंजाम दिया है। घटना जिले के लांजी थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत कुलपा की है। यहां रहने वाले सेवानिवृत्त शिक्षक शत्रुघ्न लिल्हारे के घर शनिवार को दिनदहाड़े लुटेरों ने वारदात को अंजाम दिया। पांच लुटेरों ने लिल्हारे दंपती की पिटाई की इसके बाद नकदी सहित सोने-चांदी के जेवर लूटकर फरार हो गए। घटना की जानकारी मिलने के बाद मौके पर पहुंची लांजी पुलिस ने जांच पड़ताल शुरू की। देर शाम तक पुलिस को आरोपियों का कोई सुराग नहीं मिल पाया था।

पीड़ितों ने बताया कि दोपहर में पांच लोग घर में दाखिल हुए। उन लोगों ने टॉवर लगाने की बात कही, इसके बाद शत्रुघ्न और उनकी पत्नी को बंदूक व चाकू दिखाकर धमकाया और रस्सी से कुर्सी में बांधकर बेरहमी से पिटाई की। घर की अलमारी में रखे नकदी व सोने-चांदी के जेवर लूटकर फरार हो गए। शोर मचाने पर पहुंचे ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने आसपास के क्षेत्र में नाकाबंदी कर लुटेरों को पकड़ने का प्रयास किया, लेकिन देर शाम तक पुलिस के हाथ कोई सुराग नहीं लगा। ग्रामीणों ने घायल दंपती को उपचार के लिए नजदीकी स्वास्थ्य केन्द्र में भर्ती कराया है। उनके घर से कितने की लूट हुई है। इसका पता नहीं चल पाया है, पुलिस को मौके से एक जिंदा कारतूस मिला है। पुलिस की डॉग स्क्वॉड टीम भी जांच के लिए पहुंची थी।

चित्रकूट देवांगना घाटी सामुहिक दुष्कर्म कांड

50 हजार के इनामी आरोपी का शॉर्ट एनकाउंटर, सिपाही घायल

सतना। दोपहर मेट्रो

उत्तर प्रदेश के चित्रकूट के बहिलपुरवा थाना इलाके में मध्य प्रदेश के सतना जिले की छात्रा से सामूहिक दुष्कर्म करने के मामले में फरार चल रहे 50 हजार के इनामी आरोपी से चित्रकूट क्षेत्र में पुलिस की मुठभेड़ हो गई। जवाबी कार्रवाई में आरोपी के पैर में गोली लगी, जबकि मुठभेड़ के दौरान एक सिपाही भी घायल हो गया है। घायल आरोपी को पुलिस अभिरक्षा में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं, पुलिस अन्य फरार आरोपियों की तलाश में लगातार दबिश दे रही है। चित्रकूट पुलिस के अनुसार, शनिवार शाम मुखबिर से सूचना मिली थी कि, आरोपी भरतकूप क्षेत्र के मड़फा पहाड़-हुडा रोड की ओर बाइक से कहीं जा रहा है। पुलिस टीम ने घेराबंदी की। शाम करीब 4:50 बजे आरोपी जितेन्द्र उर्फ भोले पटेल का पुलिस से सामना हो गया। पुलिस का दावा है कि, आरोपी ने खुद को घिरा देखकर फायरिंग शुरू कर दी, जिसके जवाब में की गई कार्रवाई में उसके पैर में गोली लगी और उसे गिरफ्तार कर लिया गया है। मुठभेड़ के दौरान सिपाही राघवेन्द्र राजपूत भी घायल हो गए हैं। पुलिस ने बताया कि, 22 जुलाई को हुई वारदात की विवेचना के दौरान 24 जुलाई को तीन आरोपियों के नाम सामने आए थे। इनमें ग्राम कल्हा में रहना वाला जितेन्द्र उर्फ भोले पटेल (जिसका शॉट नकाउंटर हुआ), रैपुरवा माफी में रहने वाला विवेक कुमार पटेल (फरार) और मानपुर में रहने वाला प्रवीण पटेल (फरार) शामिल हैं। बता दें कि, पीड़िता और उसके साथी दोस्त ने तीनों आरोपियों की तस्वीर देखकर उनकी पहचान की थी। सतना जिले की रहने वाली 20 वर्षीय छात्रा अपने 17 वर्षीय मित्र के साथ देवांगना घाटी की पहाड़ी पर गई थी। मित्र से उसकी पहचान महज सात दिन पहले इंस्टाग्राम के माध्यम से हुई थी। इसी दौरान बाइक से पहुंचे तीन युवकों ने खुद को वन विभाग का कर्मचारी बताकर दोनों को धमकाया।

आईटीआई संस्थान की मांग को लेकर युवाओं का अनिश्चित कालीन धरना शुरू

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

क्षेत्र में लंबे समय से चली आ रही शासकीय आईटीआई कॉलेज की मांग को लेकर युवाओं ने आंदोलन का रास्ता अपनाते हुए पुलिस थाना परिसर के सामने अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया है। युवाओं का कहना है कि तेंदूखेड़ा क्षेत्र में तकनीकी शिक्षा की पर्याप्त शासकीय सुविधा उपलब्ध नहीं होने के कारण विद्यार्थियों को पढ़ाई के लिए दूर-दराज के क्षेत्रों में जाना पड़ता है, जिससे उन्हें समय और आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ता है। धरने पर बैठे युवाओं ने बताया कि क्षेत्र में बड़ी संख्या में विद्यार्थी तकनीकी शिक्षा प्राप्त करना चाहते हैं, लेकिन स्थानीय स्तर पर शासकीय आईटीआई कॉलेज नहीं होने के कारण उन्हें अन्य स्थानों पर प्रवेश लेना पड़ता है। कई आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थी दूरी, आवागमन और अतिरिक्त खर्च के कारण तकनीकी शिक्षा से वंचित रह जाते हैं। ऐसे में तेंदूखेड़ा में शासकीय आईटीआई कॉलेज की स्थापना क्षेत्र के युवाओं के बेहतर भविष्य के लिए अत्यंत आवश्यक है। आंदोलनरत युवाओं ने शासन और प्रशासन से मांग की है कि तेंदूखेड़ा में शीघ्र शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था (आईटीआई) की स्वीकृति प्रदान कर उसका संचालन प्रारंभ किया जाए, ताकि क्षेत्र के विद्यार्थियों को अपने ही क्षेत्र में रोजगारपरक तकनीकी शिक्षा प्राप्त करने का अवसर मिल सके। युवाओं का कहना है कि वर्तमान समय में तकनीकी शिक्षा रोजगार प्राप्त करने का महत्वपूर्ण माध्यम है। शासकीय आईटीआई कॉलेज शुरू होने से विद्यार्थियों को कम खर्च में गुणवत्तापूर्ण तकनीकी प्रशिक्षण उपलब्ध होगा तथा क्षेत्र में कौशल विकास को भी बढ़ावा मिलेगा। धरने पर बैठे युवाओं ने स्पष्ट किया है कि जब तक उनकी मांग पर शासन और प्रशासन की ओर से कोई ठोस निर्णय नहीं लिया जाता, तब तक उनका आंदोलन जारी रहेगा। युवाओं के इस आंदोलन को लेकर क्षेत्र में चर्चा का माहौल बना हुआ है। स्थानीय नागरिक भी तेंदूखेड़ा में शासकीय आईटीआई कॉलेज की स्थापना की मांग को क्षेत्र के विकास और युवाओं के भविष्य से जुड़ा महत्वपूर्ण मुद्दा बता रहे हैं। ज्ञात होगी पूर्व में सास की आईटीआई कॉलेज तेंदूखेड़ा में थी लेकिन उसकी जगह एक निजी संस्थान को आईटीआई का चलने का है प्लांट युवाओं ने प्रशासन से शीघ्र पहल कर तेंदूखेड़ा में शासकीय आईटीआई कॉलेज प्रारंभ करने की मांग पूरी करने की अपील की है।

मेट्रो एंकर केंद्रीय राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर और प्रभारी मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने टांडा रोड रेलवे स्टेशन का किया निरीक्षण

समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण कार्य पूर्ण करने के दिए सख्त निर्देश

धार। दोपहर मेट्रो

केंद्रीय महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री तथा धार-महू लोकसभा क्षेत्र की सांसद सावित्री ठाकुर ने शनिवार को अपने संसदीय क्षेत्र के गंधवानी विधानसभा अंतर्गत निर्माणाधीन इंदौर-छोटा उदयपुर रेल परियोजना के तहत विकसित किए जा रहे टांडा रोड रेलवे स्टेशन का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उनके साथ मध्य प्रदेश शासन के कैबिनेट मंत्री एवं धार जिले के प्रभारी मंत्री कैलाश विजयवर्गीय भी मौजूद रहे। निरीक्षण के दौरान रेलवे विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों ने स्टेशन निर्माण और परियोजना की प्रगति से संबंधित विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की।

निरीक्षण के दौरान सावित्री ठाकुर ने चल रहे निर्माण कार्यों की गुणवत्ता का सूक्ष्मता से अवलोकन किया और रेलवे अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी कार्य निर्धारित समय-सीमा के भीतर हर हाल में पूरे किए जाएं। उन्होंने सख्त लहजे में कहा कि निर्माण कार्यों की गुणवत्ता और सुरक्षा मानकों से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं होना चाहिए, ताकि क्षेत्रवासियों को शीघ्र ही आधुनिक, सुगम और सुरक्षित रेल सुविधाओं का लाभ मिल सके।

अंतिम व्यक्ति तक विकास पहुंचाना ही लक्ष्य : विजयवर्गीय

प्रभारी मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने परियोजना की प्रगति पर संतोष व्यक्त करते हुए रेलवे विभाग को समयबद्ध कार्य सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार का मूल उद्देश्य विकास की सभी जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज की अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक पहुंचाना है। श्रीमती ठाकुर ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि देश के दूरस्थ एवं जनजातीय क्षेत्रों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने का कार्य आज अभूतपूर्व गति से हो रहा है। केंद्रीय राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर ने बताया कि आजादी के बाद आदिवासी बहुल क्षेत्र में पहली बार रेल परियोजना का पहुँचना एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। यह सिर्फ एक रेलवे लाइन नहीं, बल्कि क्षेत्र के सामाजिक, आर्थिक और औद्योगिक विकास का नया अध्याय है। इससे शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, व्यापार और पर्यटन को अभूतपूर्व गति मिलेगी।

इतिहास के शिखर पर अनाहत, फाइनल में शुरुआत से अंत तक दिखाया दबदबा

18 साल की भारतीय स्टार बनीं जूनियर स्क्वैश विश्व चैंपियन, मिस्र का 13 साल का दबदबा तोड़ा

नियाग्रा-ऑन-द-लेक (कनाडा), एजेंसी

भारतीय स्क्वैश के लिए यह ऐतिहासिक क्षण है। महज 18 वर्ष की अनाहत सिंह ने वर्ल्ड जूनियर स्क्वैश चैंपियनशिप 2026 में गर्ल्स सिंगल्स का खिताब जीतकर नया इतिहास रच दिया। कनाडा के नियाग्रा-ऑन-द-लेक में खेले गए फाइनल मुकाबले में शीर्ष वरीय अनाहत ने दूसरे वरीयता प्राप्त मिस्र की रुकय्या सलेम को 11-3, 11-7, 11-9 से लगातार तीन गेमों में हराकर स्वर्णिम उपलब्धि अपने नाम की।

इस जीत के साथ अनाहत जूनियर विश्व स्क्वैश चैंपियनशिप का खिताब जीतने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी बन गई हैं। इससे पहले भारत की ओर से 2005 में जोशना चिनप्पा फाइनल तक पहुंची थीं, लेकिन खिताब नहीं जीत सकी थीं। अनाहत ने उस अधूरे सपने को पूरा करते हुए भारतीय स्क्वैश के इतिहास में अपना नाम स्वर्ण अक्षरों में दर्ज करा दिया।

खिताबी मुकाबले में अनाहत सिंह ने पहले ही गेम से आक्रामक और आत्मविश्वास से भरा खेल दिखाया। उन्होंने मिस्र की रुकय्या सलेम को संभलने का मौका नहीं दिया और पहला गेम 11-3 से आसानी से जीत लिया। दूसरे गेम में सलेम ने वापसी की कोशिश की, लेकिन अनाहत ने बेहतरीन कोर्ट कवरेज और सटीक शॉट्स के दम पर 11-7 से बढ़त दोगुनी कर दी। तीसरे गेम में मुकाबला अपेक्षाकृत रोमांचक रहा, जहां मिस्र की खिलाड़ी ने कड़ी चुनौती पेश की। हालांकि निर्णायक अंकों पर भारतीय स्टार ने संयम बनाए रखा और 11-9 से गेम जीतकर चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया।

पूरे टूर्नामेंट में रहा एकतरफा प्रदर्शन

अनाहत का शानदार प्रदर्शन केवल फाइनल तक सीमित नहीं रहा। उन्होंने पूरे टूर्नामेंट में अपने खेल का दबदबा बनाए रखा। छह मुकाबलों में उन्होंने केवल दो गेम गंवाए, जबकि शुरुआती तीन मैच बिना एक भी गेम हारे जीत लिए। अपने अभियान की शुरुआत उन्होंने ऑस्ट्रेलिया की लिली विल्सन को 3-0 से हराकर की। इसके बाद हॉन्ग कॉन्ग की क्लोई लो और मलेशिया की डॉयस ये सान ली को भी सीधे गेमों में मात देकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई।नॉकआउट चरण में उनका सामना लगातार मिस्र की तीन मजबूत खिलाड़ियों से हुआ। क्वार्टर फाइनल में उन्होंने हबीबा रिज्क को 3-1, सेमीफाइनल में बार्ब सामेह को 3-1 और फाइनल में रुकय्या सलेम को 3-0 से हराकर यह साबित कर दिया कि वह इस टूर्नामेंट की सबसे मजबूत दावेदार थीं।

मिस्र के 13 साल पुराने वर्चस्व का अंत

अनाहत सिंह की यह जीत इसलिए भी बेहद खास मानी जा रही है क्योंकि उन्होंने जूनियर स्क्वैश में मिस्र के लंबे समय से चले आ रहे दबदबे को खत्म कर दिया। वर्ष 2011 से लगातार 13 संस्करणों तक गर्ल्स सिंगल्स का खिताब मिस्र की खिलाड़ियों के नाम रहा था। अनाहत ने इस सिलसिले को तोड़ते हुए नया इतिहास रच दिया। वह 2010 में अमेरिका की अमांडा सोभी के बाद जूनियर विश्व चैंपियन बनने वाली पहली गैर-मिस्री खिलाड़ी भी बन गई हैं। उनकी यह उपलब्धि विश्व स्क्वैश में भारत के बढ़ते प्रभाव का बड़ा संकेत मानी जा रही है।

कांस्य से स्वर्ण तक का शानदार सफर

अनाहत सिंह की यह सफलता किसी एक दिन की मेहनत का परिणाम नहीं है। पिछले वर्ष काहिरा में आयोजित जूनियर विश्व चैंपियनशिप में उन्होंने कांस्य पदक जीतकर भारत का 15 वर्षों का इंतजार खत्म किया था। उसी प्रदर्शन ने संकेत दे दिए थे कि भारतीय स्क्वैश को नया सितारा मिल चुका है। अब एक साल बाद उन्होंने उस उपलब्धि को और आगे बढ़ाते हुए विश्व चैंपियन बनने का सपना साकार कर दिखाया।

सीरीज जेब में, अब भविष्य की बारी

आज जिम्बाब्वे के खिलाफ आखिरी टी20 में नए चेहरों को मौका दे सकता है भारत

लंदन, एजेंसी

हरारे। भारत और जिम्बाब्वे के बीच तीन मैचों की टी20 सीरीज का तीसरा और अंतिम मुकाबला आज हरारे स्पोर्ट्स क्लब में खेला जाएगा। श्रेयस अय्यर की कप्तानी में टीम इंडिया पहले ही शुरुआती दोनों मुकाबले जीतकर सीरीज पर 2-0 से कब्जा जमा चुकी है। ऐसे में आखिरी मैच भले ही सीरीज के लिहाज से औपचारिक हो, लेकिन भारतीय टीम के लिए यह युवा खिलाड़ियों को परखने और भविष्य की टीम तैयार करने का महत्वपूर्ण अवसर होगा।

कप्तान श्रेयस अय्यर ने भी संकेत दिए हैं कि अंतिम मुकाबले में उन खिलाड़ियों को मौका दिया जा सकता है, जिन्हें अब तक प्लेइंग-11 में जगह नहीं मिली। टीम प्रबंधन का फोकस अब बेंच स्ट्रेंथ को मजबूत करने और नए खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय अनुभव देने पर रहेगा।

पंजाब के विस्फोटक विकेटकीपर-बल्लेबाज प्रभसिमरन सिंह का इंतजार इस मुकाबले में खत्म हो सकता है। पूरी सीरीज में बेंच पर बैठे प्रभसिमरन को भारत की ओर से टी20 अंतरराष्ट्रीय डेब्यू का मौका मिलने की पूरी संभावना है। इसके लिए अभिषेक शर्मा को आराम दिया जा सकता है, जो इस सीरीज में अपनी बल्लेबाजी से अपेक्षित प्रभाव नहीं छोड़ पाए हैं।

हर्ष दुबे और सूर्यांश शेडगे को मिल सकता है मौका

स्पिन ऑलराउंडर हर्ष दुबे भी तीसरे मुकाबले में टी20 अंतरराष्ट्रीय डेब्यू कर सकते हैं। अफगानिस्तान के खिलाफ वनडे खेल चुके हर्ष को रवि बिश्नोई की जगह आजमाया जा सकता है। इसके अलावा ऑलराउंडर सूर्यांश शेडगे भी प्लेइंग-11 में शामिल हो सकते हैं। वह बल्लेबाजी के साथ मध्यम गति की गेंदबाजी भी करते हैं और शिवम दुबे की जगह टीम को बेहतर संतुलन दे सकते हैं। सीरीज जीतने के बाद टीम प्रबंधन उनके प्रदर्शन का भी आकलन करना चाहेगा।

प्रिंस यादव बाहर, अशोक शर्मा की एंट्री तय

दूसरे टी20 मुकाबले के दौरान तेज गेंदबाज प्रिंस यादव हैमस्ट्रिंग में खिंचाव के कारण चोटिल हो गए थे। ऐसे में उनका तीसरे मुकाबले में खेलना लगभग तय नहीं माना जा रहा है। उनकी जगह युवा तेज गेंदबाज अशोक शर्मा को प्लेइंग-11 में शामिल किया जा सकता है।

टेनिस के बाद अब फुटबॉल में नई पारी, डोमिनिक ने चुना दूसरा मैदान, फिर दिखाएंगे जीत का जज्बा

नई दिल्ली, एजेंसी

वियना। कभी दुनिया के शीर्ष टेनिस खिलाड़ियों में शुमार रहे और यूएस ओपन विजेता डोमिनिक थीम अब एक नए खेल में अपनी पहचान बनाने की तैयारी कर रहे हैं। टेनिस से संन्यास लेने के करीब दो साल बाद 32 वर्षीय थीम ने प्रतिस्पर्धी फुटबॉल में कदम रखने का फैसला किया है। उन्होंने ऑस्ट्रिया के आठवें डिवीजन के क्लब बैडनर एसी से जुड़कर अपने खेल जीवन की नई पारी शुरू की है। यह फैसला इसलिए भी खास माना जा रहा है क्योंकि थीम टेनिस कोर्ट पर वापसी करने के बजाय पूरी तरह अलग खेल में अपनी किस्मत आजमाने जा रहे हैं।

चोट ने बदली करियर की दिशा-

डोमिनिक थीम को एक समय टेनिस के दिग्गज खिलाड़ियों के सबसे मजबूत प्रतिद्वंद्वियों में गिना जाता था। उन्होंने वर्ष 2020 के यूएस ओपन पुरुष एकल फाइनल में अलेक्जेंडर ज्वेरेव को हराकर अपने करियर का सबसे बड़ा खिताब जीता था। लेकिन 2021 में कलाई की गंभीर चोट ने उनके शानदार करियर की रफ्तार थाम दी। लंबे समय तक उपचार और वापसी की कोशिशों के बावजूद वह अपनी पुरानी लय हासिल नहीं कर सके। लगातार गिरती रैंकिंग और फिटनेस की समस्याओं के बाद उन्होंने मार्च 2024 में पेशेवर टेनिस को अलविदा कह दिया।

भावुक अंदाज में कहा था टेनिस को अलविदा

थीम का आखिरी ग्रैंड स्लैम मुकाबला 2024 के यूएस ओपन में हुआ, जहां उन्हें पहले दौर में हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद वियना ओपन में उन्होंने अपने करियर का अंतिम मैच खेला। मुकाबले के बाद हजारों दर्शकों ने खड़े होकर तालियों के साथ उनका सम्मान किया। उस भावुक पल में थीम ने अपना रैकेट कांच के एक विशेष बॉक्स में रखकर टेनिस को विदाई दी। उन्होंने कहा था कि चोट के बाद वह कभी अपने पुराने स्तर तक नहीं लौट पाए, लेकिन अपने फैसले से उन्हें कोई पछतावा नहीं है। संन्यास के बाद थीम अपने गृहनगर के क्लब के लिए फुटबॉल खेलने लगे। उन्होंने स्थानीय स्तर पर 10 प्रतिस्पर्धी मुकाबले खेले और एक गोल भी दागा। उनके प्रदर्शन से प्रभावित होकर उनके एक मित्र ने उन्हें बैडनर एसी से जुड़ने का अवसर दिलाया। अब वह इस क्लब के साथ नियमित रूप से प्रशिक्षण लेकर प्रतिस्पर्धी फुटबॉल खेलेंगे।

15 वर्षीय प्रतिभा को लेकर जल्दबाजी नहीं करेगा टीम प्रबंधन

पहले बल्लेबाजी में निखार, फिर गेंद की बारी

नई दिल्ली, एजेंसी

हरारे। महज 15 साल की उम्र में अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सनसनी मचाने वाले वैभव सूर्यवंशी को लेकर भारतीय टीम ने दीर्घकालिक रणनीति तैयार कर ली है। जिम्बाब्वे के खिलाफ पहले टी20 में रिकॉर्डतोड़ अर्धशतक के बाद कार्यवाहक गेंदबाजी कोच सुनील जोशी ने संकेत दिए कि फिलहाल टीम का पूरा ध्यान वैभव को एक भरोसेमंद बल्लेबाज के रूप में स्थापित करने पर रहेगा। उन्होंने कहा कि उनकी गेंदबाजी पर जल्दबाजी में काम नहीं किया जाएगा, बल्कि भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड के उत्कृष्टता केंद्र में चरणबद्ध तरीके से उसे निखारा जाएगा। टीम प्रबंधन का मानना है कि इतनी कम उम्र में खिलाड़ी पर अतिरिक्त जिम्मेदारी डालने के बजाय उसकी स्वाभाविक प्रतिभा को विकसित करना ज्यादा जरूरी है, ताकि वह लंबे समय तक भारतीय क्रिकेट की बड़ी ताकत बन सके।

सुनील जोशी ने कहा कि वैभव ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में जिस आत्मविश्वास और निडर अंदाज से शुरुआत की है, वह बेहद प्रभावशाली है। ऐसे में फिलहाल उनका पूरा ध्यान बल्लेबाजी पर ही रहना चाहिए। जोशी ने कहा कि वैभव ने हरारे में हमेशा शानदार प्रदर्शन किया है। इससे पहले भी वह अंडर-19 विश्व कप के फाइनल में इसी मैदान पर बेहतरीन पारी खेल चुके हैं और अब पहले टी20 मुकाबले में भी उन्होंने अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया है।

रवि बिश्नोई की वापसी का राज भी बताया

सुनील जोशी ने स्पिनर रवि बिश्नोई की शानदार वापसी पर भी खुलासा किया। इंग्लैंड दौरे पर महंगे साबित होने के बाद बिश्नोई ने जिम्बाब्वे के खिलाफ पहले टी20 मुकाबले में चार ओवर में केवल 24 रन देकर एक विकेट हासिल किया। जोशी ने बताया कि बिश्नोई के गेंदबाजी एक्शन में कोई बदलाव नहीं किया गया है। केवल उनके रन-अप में छोटा सा सुधार किया गया, जिससे उनकी लय और नियंत्रण बेहतर हुआ। उन्होंने कहा कि इस बदलाव पर गेंदबाजी विशेषज्ञों के साथ विस्तार से काम किया गया था और इसका सकारात्मक परिणाम अब मैदान पर दिखाई दे रहा है। भारतीय टीम को उम्मीद है कि युवा खिलाड़ियों का यह प्रदर्शन आगे भी टीम की सफलता में अहम भूमिका निभाएगा।

मनोरंजन | **बॉलीवुड का कोना**

न्यूयॉर्क में दिखा अभिषेक-ऐश्वर्या का रोमांटिक अंदाज, वायरल तस्वीरों ने जीता फैंस का दिल

किंग की शूटिंग से ब्रेक लेकर परिवार संग बिताया खास समय

नई दिल्ली। बॉलीवुड के चर्चित सितारे अभिषेक बच्चन और ऐश्वर्या राय बच्चन एक बार फिर अपनी शानदार केमिस्ट्री को लेकर सुर्खियों में हैं। लंबे समय से दोनों को साथ देखने का इंतजार कर रहे प्रशंसकों के लिए वीकेंड खास बन गया, जब न्यूयॉर्क से उनकी कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया पर सामने आईं। बताया जा रहा है कि अभिषेक बच्चन अपनी आगामी फिल्म %किंग% की शूटिंग से कुछ समय का अवकाश लेकर परिवार के साथ समय बिता रहे हैं। इसी दौरान दोनों को न्यूयॉर्क की सड़कों पर साथ घूमते देखा गया।

फैन के साथ सेल्फी ने बढ़ाई चर्चा

सोशल मीडिया पर वायरल हो रही तस्वीरों में अभिषेक और ऐश्वर्या शाम के समय सैर करते नजर आ रहे हैं। इस दौरान एक प्रशंसक ने दोनों के साथ सेल्फी ली, जो अब इंटरनेट पर तेजी से साझा की जा रही है। तस्वीरों में अभिषेक कैप और साधारण टी-शर्ट में नजर आए, जबकि ऐश्वर्या राय काले रंग की पोशाक में हमेशा की तरह बेहद आकर्षक और स्टाइलिश दिखीं। दोनों का सहज और मुस्कुराता अंदाज प्रशंसकों को खूब पसंद आ रहा है। इन तस्वीरों के सामने आते ही सोशल मीडिया पर प्रशंसकों की प्रतिक्रियाओं की बाढ़ आ गई। कई लोगों ने दोनों की जोड़ी की जमकर तारीफ की और उन्हें बॉलीवुड का सबसे खूबसूरत दंपती बताया।

आराध्या को लेकर उठे सवाल

हालांकि, तस्वीरों में उनकी बेटी आराध्या बच्चन नजर नहीं आईं। इसे लेकर भी सोशल मीडिया पर कई तरह के सवाल पूछे जाने लगे। कुछ प्रशंसकों ने जानना चाहा कि क्या अभिषेक और ऐश्वर्या इस बार अकेले छुट्टियां मना रहे हैं या फिर आराध्या किसी वजह से तस्वीरों में शामिल नहीं हो सकीं। हालांकि, परिवार की ओर से इस बारे में कोई जानकारी साझा नहीं की गई है। अभिषेक बच्चन और ऐश्वर्या राय अक्सर अपनी निजी जिंदगी को सार्वजनिक चर्चा से दूर रखते हैं। ऐसे में जब भी दोनों की साथ में कोई तस्वीर सामने आती है, वह देखते ही देखते वायरल हो जाती है।÷

माता-पिता को खोने का दर्द बयां कर भावुक हुए सोनू सूद, फैंस से की खास अपील

बॉलीवुड अभिनेता सोनू सूद अपनी दरियादिली और परोपकार के लिए लाखों दिलों पर राज करते हैं। शनिवार को अभिनेता ने सोशल मीडिया के माध्यम से माता-पिता को याद करते हुए खास पोस्ट शेयर किया। अभिनेता ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर माता-पिता की याद में एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वे कहते हैं, ÷मैं उन लोगों में से हूं, जिन्होंने बहुत कम उम्र में अपने माता-पिता को खो दिया था। आज मैं आपसे जो कहने जा रहा हूं, वह किसी किताब की लाइन नहीं है, बल्कि जिंदगी के सबसे कठिन समय के अनुभवों से निकली है। एक दिन जब आपके माता-पिता दुनिया से छोड़कर चले जाते हैं, तब आपके भले उनका नंबर होगा, लेकिन कॉल उठाने वाले कोई नहीं होंगे। हो सकता है उस समय आपके पास बहुत पैसा हो। आप उनके लिए बहुत कुछ खरीदना चाहेंगे, लेकिन आप कुछ नहीं कर पाएंगे, क्योंकि आपके माता-पिता आपके साथ नहीं होंगे।

अभिनेता सोनू सूद ने आगे माता-पिता के जाने के बाद वाले अफसोस को बयां करते हुए कहा, ÷जब माता-पिता नहीं होंगे, तब आप उनके पुराने मैसेज पढ़ेंगे, घंटों तस्वीरें देखते रहेंगे और सोचेंगे कि काश मैं उन्हें एक बार गले लगा पाता, लेकिन तब वे आपके पास नहीं होंगे। उस दिन आपको एहसास होगा कि दुनिया की हर चीज वापस पाई जा सकती है, लेकिन माता-पिता के साथ बिताया हुआ समय कभी वापस नहीं आता। उन्होंने माता-पिता की वैल्यू समझाते हुए कहा, ÷इसलिए आज का समय बहुत कीमती है। अगर आपके माता-पिता आपके साथ हैं तो अभी जाकर उन्हें बताइए कि आप उनसे कितना प्यार करते हैं। उन्हें गले लगाइए और बताइए कि वे आपके लिए कितने खास हैं, क्योंकि आज वे आपके साथ हैं, लेकिन कल का कोई भरोसा नहीं।÷

मेट्रो बाजार

69,725 करोड़ रुपए के पैकेज से मिलेगी देश के जहाज निर्माण उद्योग को मजबूती

नई दिल्ली । केंद्र सरकार ने देश के जहाज निर्माण (शिपबिल्डिंग) उद्योग को नई गति देने के लिए 69,725 करोड़ रुपए के व्यापक पैकेज को मंजूरी दी है। इस पैकेज का उद्देश्य घरेलू जहाज निर्माण क्षमता बढ़ाना, समुद्री क्षेत्र के लिए दीर्घकालिक वित्तपोषण उपलब्ध कराना और कौशल विकास को बढ़ावा देना है। लोकसभा में पत्तन, पोत परिवहन एवं जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने बताया कि इस पैकेज के तहत भारतीय शिपयार्ड की लागत को वैश्विक शिपयार्ड के मुकाबले प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए 24,736 करोड़ रुपए की शिपबिल्डिंग फाइनेंशियल असिस्टेंस स्कीम को मंजूरी दी गई है।

पैकेज का एक प्रमुख हिस्सा 25,000 करोड़ रुपए का मैरीटाइम डेवलपमेंट फंड है, जिसके जरिए जहाज निर्माण और समुद्री क्षेत्र को दीर्घकालिक वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई जाएगी, जिसमें 20,000 करोड़ रुपए का मैरीटाइम इन्वेस्टमेंट फंड और 5,000 करोड़ रुपए का इंटरेस्ट इंसेंटिवाइजेशन फंड शामिल है। सरकार ने 19,989 करोड़ रुपए की शिपबिल्डिंग डेवलपमेंट स्कीम (एसबीडीएस) को भी मंजूरी दी है। इस योजना के तहत ग्रीनफील्ड क्लस्टर विकसित करने और मौजूदा इकाइयों के ब्राउनफील्ड विस्तार के माध्यम से देश की जहाज निर्माण क्षमता बढ़ाकर प्रतिवर्ष 45 लाख ग्रॉस टनेज करने का लक्ष्य रखा गया है।

ग्रामीण उद्यमिता को नई उड़ान, एसवीईपी स्कीम से 4.32 लाख कारोबारियों की बदली तस्वीर

नई दिल्ली। केंद्र सरकार की स्टार्ट-अप विलेज एंटरप्रेन्योरशिप प्रोग्राम (एसवीईपी) योजना ग्रामीण क्षेत्रों में स्वरोजगार और उद्यमिता को नई दिशा देने में सफल साबित हो रही है। सरकार ने शनिवार को जानकारी दी कि जून 2026 के अंत तक इस योजना के तहत देशभर में 4.32 लाख ग्रामीण उद्यमों को सहायता प्रदान की जा चुकी है। प्रशिक्षण, वित्तीय सहयोग और मार्गदर्शन के जरिए योजना ने लाखों लोगों को अपना कारोबार शुरू करने और आय बढ़ाने का अवसर दिया है। सरकार का दावा है कि इस पहल से ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत हुई है और स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर भी पैदा हुए हैं।

सरकार के अनुसार, योजना का सबसे बड़ा लाभ समाज के वंचित वर्गों को मिला है। एसवीईपी से जुड़े लगभग 86 प्रतिशत लाभार्थी अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग और अल्पसंख्यक समुदायों से हैं। असम, बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल और मध्य प्रदेश उन राज्यों में शामिल हैं, जहां सबसे अधिक ग्रामीण उद्यमों को इस योजना के माध्यम से सहयोग मिला है। इससे सामाजिक और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को आत्मनिर्भर बनने का अवसर मिला है।

यह योजना राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के माध्यम से संचालित की जाती है। इसके तहत गैर-कृषि आधारित ग्रामीण उद्यमों को प्रशिक्षण, वित्तीय सहायता, व्यवसायिक मार्गदर्शन और सामुदायिक संस्थाओं का सहयोग उपलब्ध कराया जाता है। स्वयं सहायता समूह, सामुदायिक संसाधन व्यक्ति, बैंकिंग प्रणाली और प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के साथ समन्वय बनाकर योजना का दायरा लगातार बढ़ाया गया है।

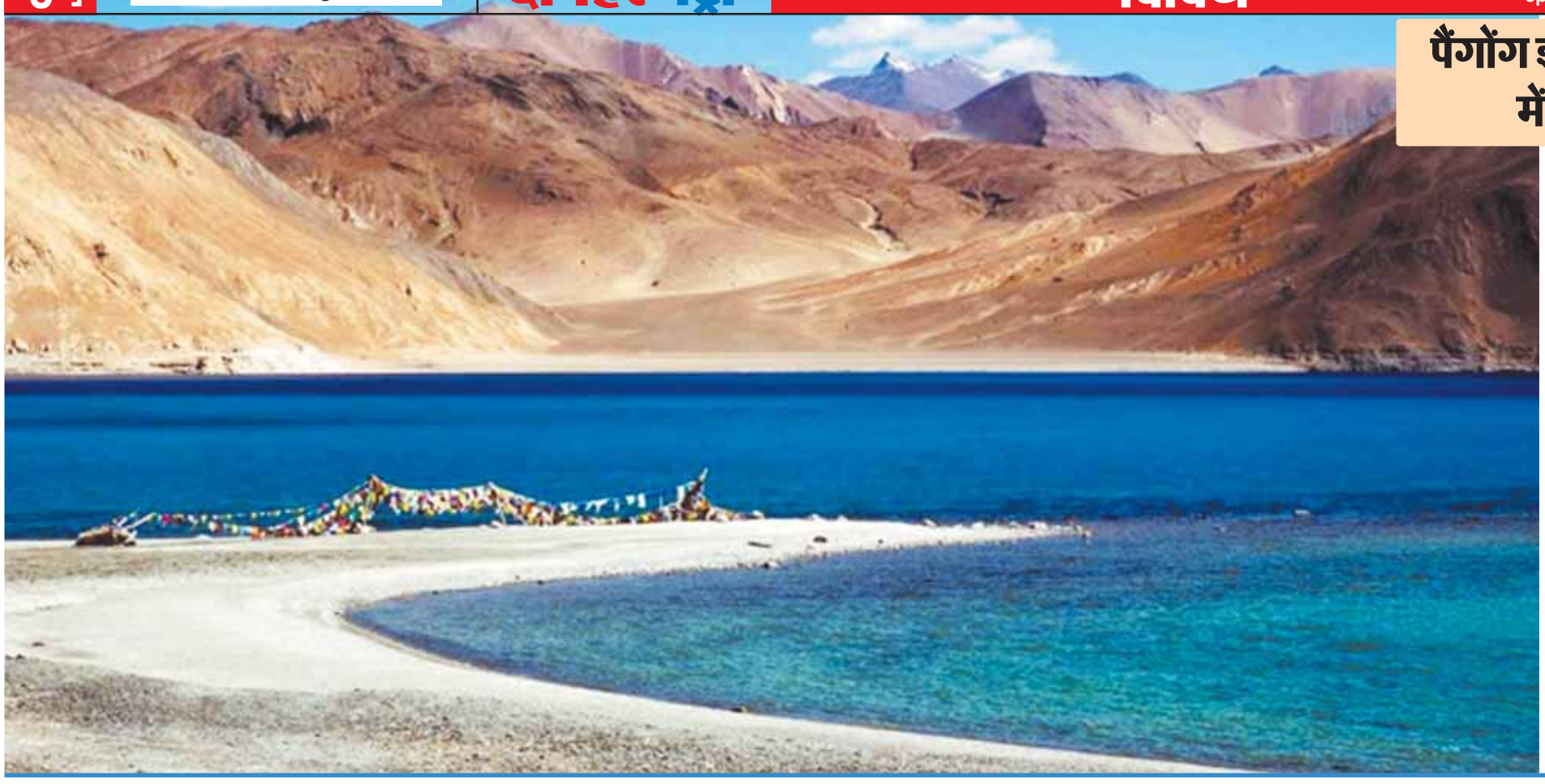

पैंगोंग झील... हर घंटे में बदलती है रंग

लद्दाख के ऊंचाई वाले रेगिस्तानी क्षेत्र में फैली यह पैंगोंग झील अपने नीले रंग के मनमोहक शेड्स के लिए प्रसिद्ध है, जो दिनभर रोशनी और मौसम के अनुसार हर कुछ घंटों में रंग बदलता हुआ दिखाई देता है। यह झील भारत और चीन की सीमा तक फैली हुई है। 4,000 मीटर से अधिक की ऊंचाई पर, ऊबड़-खाबड़ पहाड़ों से घिरी यह झील किसी दूसरी दुनिया का हिस्सा जैसी लगती है। क्रिस्टल की तरह साफ पानी, विशाल पर्वत चोटियों और चारों ओर पसरी खामोशी का अद्भुत मेल इसे हिमालय में घूमने और अनुभव करने के लिए सबसे यादगार जगहों में से एक बनाता है।

ट्रस्ट की जमीन के कथित अवैध व्यावसायिक इस्तेमाल से जुड़ा है मामला

ईडी का एक्शन: 500 करोड़ के मनी लॉन्ड्रिंग मामले में बांद्रा का रंगशारदा होटल कुर्क

मुंबई. एजेंसी

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 500 करोड़ रुपये से अधिक के कथित मनी लॉन्ड्रिंग मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए मुंबई के बांद्रा स्थित रंगशारदा होटल और प्रभादेवी स्थित एक भूखंड को अस्थायी रूप से कुर्क किया है। दोनों संपत्तियां रंगशारदा होटल्स प्राइवेट लिमिटेड के नाम पर हैं और इनकी कुल कीमत करीब 332 करोड़ रुपये आंकी गई है। यह कार्रवाई प्रभुदास वीरचंद लोटिया और अन्य आरोपियों से जुड़े मामले में की गई है।

ईडी की जांच बांद्रा पुलिस स्टेशन में दर्ज एफआईआर के आधार पर शुरू हुई थी। शिकायत में रंगशारदा प्रतिष्ठान ट्रस्ट के ट्रस्टियों ने प्रभुदास लोटिया और रंगशारदा होटल्स पर धोखाधड़ी और आपराधिक विश्वासघात के आरोप लगाए थे। जांच एजेंसी के मुताबिक, महाराष्ट्र हाउसिंग एंड एरिया डेवलपमेंट अथॉरिटी (म्हाडा) ने मराठी रंगमंच, साहित्य और सांस्कृतिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए ट्रस्ट को रियायती दर पर जमीन आवंटित की थी। आरोप है कि आवंटन की शर्तों का उल्लंघन कर इस जमीन का व्यावसायिक इस्तेमाल किया गया। ईडी का दावा है कि परिसर में बिना जरूरी मंजूरियों के होटल, लॉज, रेस्तरां, बार और बैंक्वेट हॉल समेत कई व्यावसायिक गतिविधियां संचालित की गईं। एजेंसी के अनुसार, ट्रस्ट की जमीन पर बने व्यावसायिक परिसरों की कथित अनधिकृत बिक्री से प्राप्त रकम का इस्तेमाल प्रभादेवी में संपत्ति खरीदने में किया गया। जांच में अपराध से अर्जित आय करीब 512 करोड़ रुपये आंकी गई है।

512 करोड़ की अपराध से अर्जित आय का दावा

प्रवर्तन निदेशालय के मुताबिक, जांच में अब तक कथित अपराध से अर्जित आय करीब 512 करोड़ रुपये आंकी गई है। एजेंसी का कहना है कि इसमें होटल, लॉज, रेस्तरां, बार और बैंक्वेट सुविधाओं से हुई कथित कमाई के साथ किराए और अन्य स्रोतों से प्राप्त रकम भी शामिल है। ईडी के अनुसार, प्रभुदास वीरचंद लोटिया ने ट्रस्ट की जमीन पर बने व्यावसायिक परिसरों पर कथित तौर पर नियंत्रण स्थापित किया और उनकी अनधिकृत बिक्री से प्राप्त धन का इस्तेमाल प्रभादेवी में एक अन्य संपत्ति खरीदने में किया। इसी कार्रवाई के तहत बांद्रा के रंगशारदा होटल और प्रभादेवी के भूखंड को अस्थायी रूप से कुर्क किया गया है। दोनों संपत्तियों का अनुमानित मूल्य करीब 332 करोड़ रुपये बताया गया है।

शिकायत के बाद खुला मामला आरोपों की जांच कर रही एजेंसी

इस मामले की शुरुआत बांद्रा पुलिस स्टेशन में दर्ज एफआईआर से हुई थी। रंगशारदा प्रतिष्ठान ट्रस्ट के ट्रस्टियों की शिकायत में प्रभुदास लोटिया और रंगशारदा होटल्स पर धोखाधड़ी तथा आपराधिक विश्वासघात के आरोप लगाए गए थे। इसके बाद ईडी ने मामले को मनी लॉन्ड्रिंग के एंगल से जांचना शुरू किया। एजेंसी के अनुसार, जांच के दौरान ट्रस्ट को आवंटित जमीन के कथित अवैध कब्जे, उसके व्यावसायिक इस्तेमाल और उससे होने वाली आय से जुड़े कई तथ्य सामने आए। ईडी अब यह भी जांच कर रही है कि कथित तौर पर अपराध से अर्जित रकम को किस तरह दूसरी संपत्तियों में लगाया गया। एजेंसी की कार्रवाई के बाद मामले में आगे और संपत्तियों या आरोपियों पर कार्रवाई की संभावना से भी इनकार नहीं किया जा रहा है।

रियायती जमीन से करोड़ों के कारोबार का आरोप

ईडी के अनुसार, रंगशारदा प्रतिष्ठान ट्रस्ट को म्हाडा ने मराठी रंगमंच, साहित्य और सांस्कृतिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से रियायती दर पर भूखंड आवंटित किया था। आरोप है कि जमीन आवंटन की शर्तों के मुताबिक वहां नाट्यगृह और कलाकारों के लिए आवास जैसी सुविधाएं विकसित की जानी थीं, लेकिन ऐसा नहीं किया गया। इसके बजाय, संबंधित परिसर में होटल, लॉज, रेस्तरां, शराब बार और बैंक्वेट हॉल समेत कई व्यावसायिक प्रतिष्ठान संचालित किए गए। ईडी का दावा है कि इन गतिविधियों के लिए जरूरी वैधानिक मंजूरियां भी नहीं ली गई थीं। जांच एजेंसी अब यह पता लगाने में जुटी है कि इस पूरी व्यवस्था से किसे कितना आर्थिक लाभ मिला और रकम का इस्तेमाल कहां किया गया।

स्कूली शिक्षा पर मोहन भागवत का सुझाव

पाठ्यपुस्तकों में शुरू से हो देवी-देवताओं की जानकारी

मुंबई. एजेंसी

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने नई दिल्ली में 'युगानुकूल मातृत्व' विषय पर आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए शिक्षा, बच्चों की परवरिश और पारिवारिक जिम्मेदारियों पर बेहद महत्वपूर्ण और व्यावहारिक विचार साझा किए हैं।

उन्होंने जोर देकर कहा कि हिंदू देवी-देवताओं से जुड़ा ज्ञान शुरुआती दौर से ही स्कूली पाठ्यपुस्तकों में शामिल किया जाना चाहिए, ताकि नई पीढ़ी अपनी आस्था को गहराई से समझ सके। बच्चों के तीखे सवालों व इंटरनेट मीडिया के दौर में जरूरी है संवाद भागवत ने बताया कि आज के समय में बच्चे अक्सर देवी-देवताओं के स्वरूप को लेकर असहज करने वाले या जिज्ञासु सवाल पूछते हैं - जैसे कि किसी देवता का मुख वानर या हाथी का क्यों है? अक्सर माता-पिता इन सवालों के जवाब देने में असमर्थ होते हैं। उन्होंने कहा कि बच्चों के शुरुआती 12 साल उनका संस्कारों का दौर होता है, इसलिए यह ज्ञान किताबों में आसानी से उपलब्ध होना चाहिए।

वर्तमान समय की बदलती परिस्थितियों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि पहले की तरह बच्चों पर अपनी बात थोपी नहीं जा सकती। आज के बच्चे भौतिकवादी प्रभावों और इंटरनेट मीडिया की दुनिया में बड़े हो रहे हैं। ऐसे में माता-पिता को तानाशाही रवैया अपनाने के बजाय बच्चों के साथ संवाद स्थापित करना चाहिए, उन्हें समय देना चाहिए और प्यार से समझाना चाहिए। उन्होंने इस बात पर भी बल दिया कि असफलता के दौर में बच्चों की आलोचना करने की बजाय उन्हें भावनात्मक सहयोग की आवश्यकता होती है। मूल्य केवल भाषण देने से नहीं, बल्कि स्नेह, बातचीत और माता-पिता एवं बुजुर्गों के व्यक्तिगत उदाहरणों के माध्यम से हस्तांतरित होते हैं। यदि यह आधार मजबूत है, तो बच्चों के लिए तकनीक के जाल से बाहर निकलना बहुत आसान हो जाता है।

अमरावती के सरकारी आश्रम स्कूल में फूल पॉइजनिंग से 60-70 छात्र बीमार

मुंबई . एजेंसी

महाराष्ट्र के अमरावती में फूड पॉइजनिंग का कहर देखने को मिला है। दरअसल, मेलघाट के सरकारी आश्रम स्कूल टिटम्बा के 60 से 70 स्टूडेंट को फूड पॉइजनिंग हो गई है। सभी स्टूडेंट्स को धारणी के सब-डिस्ट्रिक्ट हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है। अब सभी स्टूडेंट्स की हालत खतरे से बाहर है।

बता दें कि मेलघाट के धारणी तालुका में सरकारी ट्राइबल आश्रम स्कूल टिटम्बा के लगभग 60 से

70 स्टूडेंट्स को फूड पॉइजनिंग हुई है, इन सभी ने आश्रम में किसी आयोजक की तरफ से दिया गया भोजन किया था, जिसके बाद वे फूड पॉइजनिंग की चपेट में आ गए। इन सभी स्टूडेंट्स का धारणी के हॉस्पिटल में इलाज चल रहा है। गनीमत है कि सभी स्टूडेंट खतरे से बाहर हैं। वारदात की जानकारी मिलते ही हेल्थ डिपार्टमेंट की टीम और लोकल प्रशासन अलर्ट हो गया। बीमार स्टूडेंट्स को तुरंत इलाज के लिए एम्बुलेंस से धारणी सब-डिस्ट्रिक्ट हॉस्पिटल में ले जाया गया। हॉस्पिटल में डॉक्टरों की निगरानी में सभी स्टूडेंट्स का इलाज जारी है। इतने सारे स्टूडेंट्स को एक साथ फूड पॉइजनिंग होने से हड़कंप मच गया। बच्चों के बीमार होने के बाद उनके परिजनों को भी सूचना दी गई, जिसके बाद अस्पताल के वार्ड में उनकी भीड़ लग गई।

चेन्नई: पूर्व केंद्रीय मंत्री की बेटी ने स्टेट बैंक के मैनेजर को मारा थप्पड़

चेन्नई। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) की आद्यार शाखा के ब्रांच मैनेजर को थप्पड़ मारने का मामला सामने आया है। आरोपी पूर्व केंद्रीय मंत्री और डीएमके नेता एमके अलगीरी की बेटी कयल्विझी अलगीरी हैं। पुलिस के अनुसार, कयल्विझी अपनी व्यावसायिक इमारत में खराब लिफ्ट की मरम्मत को लेकर बैंक मैनेजर हरशीन सिंह से बात करने पहुंची थीं। बातचीत के दौरान दोनों के बीच विवाद हो गया। आरोप है कि गुस्से में कयल्विझी ने मैनेजर को थप्पड़ मार दिया।

नागपुर सेंट्रल जेल में चरस, नशीली गोलियां और 5 सर्जिकल ब्लेड ले जाते सिपाही धराया

मुंबई. एजेंसी

नागपुर सेंट्रल जेल में कार्यरत एक सिपाही को कैदियों के लिए चरस ले जाते हुए गेट पर ही जांच के दौरान पकड़ लिया गया। 39 ग्राम चरस के साथ पकड़े गए सिपाही का नाम विकास सहारे है। उसके पास से सेलो टेप के साथ बंधी हुई करीब करीब 25 नशे की गोलियां, 5 सर्जिकल ब्लेड भी मिले। सिपाही को धंतोली पुलिस ने मामला दर्ज कर गिरफ्तार किया है। सिपाही को पिछले साल ही सुरक्षा व्यवस्था में शामिल किया गया था, इस घटना से जेल विभाग में भी खलबली मच गई है। अब

तक तो अपराधी ही इस तरह की गतिविधियों में सक्रिय थे, लेकिन सिपाही के इस कृत्य से पूरा विभाग सकते में है। जानकारी के अनुसार 23 जुलाई की सुबह नागपुर सेंट्रल जेल के मुख्य प्रवेश द्वार पर नियमित जांच की जा रही थी। जेल के मुख्य द्वार पर हर अधिकारी और कर्मचारी की तलाशी ली जा रही थी, इसी दौरान मुख्य द्वार पर तैनात अन्य सुरक्षा रक्षों को विकास की गतिविधियों पर संदेह हुआ। जब इसकी बारीकी से जांच की गई तो उसके अंडरवियर के भीतर सेलो टेप से चिपकाए हुआ एक पैकेट मिला। पैकेट खोलने पर उसमें यह पदार्थ पाए गए। तलाशी में सिपाही के पास जो 39 ग्राम की चरस बरामद हुई है, उसकी अनुमानित कीमत करीब 3 लाख रुपये बताई गई है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 7 ग्राम वजन की नीले रंग की संदिग्ध गोलियां, 5 सर्जिकल ब्लेड और अन्य सामग्री भी जब्त की।

मेट्रो एंकर **देशभर से उमड़े श्रद्धालुओं ने 4 किलो सोना और 386 किलो चांदी भी की दान**

सांवलिया सेठ को 4 महीने में मिला 153 करोड़ का चढ़ावा

चित्तौड़गढ़, एजेंसी

मेवाड़ के आराध्य और देशभर में करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था के केंद्र श्री सांवलिया सेठ मंदिर में चढ़ावे ने एक बार फिर नया रिकॉर्ड कायम किया है। वित्तीय वर्ष 2026-27 के शुरुआती चार महीनों अप्रैल से जुलाई के बीच मंदिर को 153 करोड़ 59 लाख 77 हजार 209 रुपये की दान राशि प्राप्त हुई। इसके अलावा श्रद्धालुओं ने 4 किलो 273 ग्राम 350 मिलीग्राम सोना और 386 किलो 59 ग्राम 440 मिलीग्राम चांदी भी अर्पित की। इस दौरान आषाढ़ माह में दान का विशेष रिकॉर्ड बना। मंदिर प्रशासन के अनुसार भंडार और ऑनलाइन दान को मिलाकर एक ही महीने में 38 करोड़ 23 लाख 13 हजार 862 रुपये प्राप्त हुए। साथ ही 1 किलो 148 ग्राम 500 मिलीग्राम सोना और 103 किलो 497 ग्राम चांदी भी चढ़ाई गई। मंदिर मंडल

अध्यक्ष हजारी दास वैष्णव ने बताया कि लगातार बढ़ते चढ़ावे को देखते हुए भंडार गणना की प्रक्रिया को और अधिक पारदर्शी व सुरक्षित बनाया जा रहा है। गणना हॉल में विशेष टेबल और सफेद चादर की व्यवस्था की जा रही है। मंदिर में लगभग 200 कर्मचारी गणना प्रक्रिया में जुटे रहे। धार्मिक मान्यता है कि श्री सांवलिया सेठ भगवान श्रीकृष्ण का स्वरूप हैं और श्रद्धालु उन्हें अपने आराध्य के साथ व्यापारिक साझेदार व संकटमोचक के रूप में भी पूजते हैं।

एक महीने में 38 करोड़ से ज्यादा चढ़ावा : श्री सांवलिया सेठ मंदिर में इस बार आषाढ़ माह का भंडार दान के मामले में ऐतिहासिक रहा। मंदिर प्रशासन के अनुसार भंडार में प्राप्त राशि और ऑनलाइन दान को मिलाकर श्रद्धालुओं ने एक ही महीने में 38 करोड़ 23 लाख 13 हजार 862 रुपये अर्पित किए। यह आषाढ़ माह में अब तक प्राप्त होने वाली सर्वाधिक दान राशि है। इसके साथ ही भक्तों ने 1 किलो 148 ग्राम 500 मिलीग्राम सोना और 103 किलो 497 ग्राम चांदी भी भगवान को समर्पित की। मंदिर प्रशासन का कहना है कि श्रद्धालुओं की मनोकामना पूरी होने के बाद चढ़ावा अर्पित करने की परंपरा के चलते हर महीने दान के नए रिकॉर्ड बन रहे हैं।

पारदर्शिता और सुरक्षा पर जोर विशेष टेबल पर हो रही गिनती

मंदिर में लगातार बढ़ रही दान राशि को देखते हुए अब भंडार गणना की व्यवस्था को और मजबूत किया जा रहा है। मंदिर मंडल अध्यक्ष हजारी दास वैष्णव के अनुसार गणना प्रक्रिया में पारदर्शिता और सुरक्षा को प्राथमिकता दी जा रही है। इसके लिए गणना हॉल में विशेष टेबल स्थापित की गई है, जहां कर्मचारी चारों ओर बैठकर व्यवस्थित तरीके से दान राशि की गिनती कर रहे हैं। पूरे हॉल में सफेद चादर बिछाने की भी योजना है, ताकि गणना के दौरान किसी तरह की त्रुटि या गड़बड़ी की आशंका न रहे। भंडार गणना के दौरान मंदिर मंडल के पदाधिकारियों के साथ करीब 200 से अधिक कर्मचारी मौजूद रहे।

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में हुए धमाके में दो लोगों की मौत

पेशावर. एजेंसी। खैबर पख्तूनख्वा इलाके में शनिवार देर रात हुए जोरदार धमाके में दो लोगों की मौत हो गई है। बताया जा रहा है कि इस धमाके में एक स्थानीय नेता बाल-बाल बच गए। वहीं दो अन्य लोगों की मौत हो गई। फिलहाल पुलिस का कहना है कि यह धमाका किस वजह से हुआ, इसकी जांच की जा रही है। वहीं अभी तक किसी अन्य संगठन ने भी इस धमाके की जिम्मेदारी नहीं ली है। पुलिस ने बताया कि उत्तर-पश्चिम पाकिस्तान में जोरदार धमाका हुआ था। इस धमाके में दो लोगों की मौत हो गई है। जानकारी के मुताबिक यह घटना अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के बाजौर जिले में हुआ। यहां सलारजई तहसील की ताली बांध के पास एक धमाके में दो लोगों की मौत हुई। पुलिस के मुताबिक, मारे गए लोगों की पहचान बाजौर जिले के रहने वाले सुलेमान कारी और गुलाम के तौर पर हुई है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया स्थानीय संपादक अनिल शर्मा*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564